रांची से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

अलग पहचान

सत्य की उड़ान

रांची, बुधवार 19 फरवरी 2025, वर्ष 10, अंक 398 पृष्ठ 8, मूल्य 5/ रुपया

alagpahchan@gmail.com www.alagpahchan.com

सीएम हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की 33वीं बैठक आयोजित

झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा आयोजित पिछली बैठकों में आजीवन सजा काट रहे कैदियों के रिहाई से संबंधित अस्वीकृत किए गए मामलों सहित कुल 103 मामलों की समीक्षा की गई।

रांची। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आज कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में आयोजित झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 37 कैदियों को रिहा किए जाने पर सहमति बनी। बैठक में रिहाई से संबंधित नए मामलों के साथ-साथ वैसे कैदियों के मामलों पर भी पुनर्विचार किया गया जिन्हें झारखंड राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की पिछली बैठकों में अस्वीकृत किए गए थे। बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग वंदना दादेल, डीजीपी अनुराग गुप्ता, कारा महानिरीक्षक झारखंड सुदर्शन प्रसाद मंडल, अपर विधि परामर्शी विधि विभाग नीरज कुमार, प्रोवेशन पदाधिकारी चंद्रमौली, एआईजी तुषार रंजन गुप्ता, जेलर मो० नसीम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद की अनुशंसा के आलोक में राज्य के विभिन्न कारागारों में आजीवन सजा काट रहे 103 कैदियों को कारामुक्त किए जाने के प्रस्ताव पर अधिकारियों के साथ बिंदुवार गहन विचार-विमर्श किया। राज्य सजा पुनरीक्षण पर्षद द्वारा रिहाई हेतु अनुशंसित एक-एक कैदियों की फाइल पर गंभीरता से विचार किया गया। मुख्यमंत्री ने कैदियों के अपराध की प्रवृत्ति तथा न्यायालयों, संबंधित जिलों के पुलिस अधीक्षकों, जेल अधीक्षक एवं प्रोबेशन अधिकारियों द्वारा दिए गए मंतव्य की पूरी जानकारी ली। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन एवं अधिकारियों के बीच रिहाई हेतु प्रस्तावित सभी मामलों पर विचारोपरान्त कुल 37 कैदियों को रिहा किए जाने के निर्णय पर मुख्यमंत्री ने अपनी सहमति दी।

रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ें - मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का सामाजिक, आर्थिक एवं पारिवारिक पृष्ठभूमि का सत्यापन जरूर करें। मुख्यमंत्री ने कारा महानिरीक्षक झारखंड को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड अवश्य रखें। जिलों के पुलिस अधीक्षक एवं अन्य अधिकारियों द्वारा रिहा हुए कैदियों का ट्रैक रिकॉर्ड रखने के साथ-साथ सभी गतिविधियों की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि रिहा हुए कैदियों को सरकार द्वारा संचालित कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिहा हुए कैदियों का जीवन यापन सुचारू रूप से चले इस निमित्त उनके लिए आय सृजन की व्यवस्था करें। रिहा हुए कैदियों को मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें सकारात्मक दिशा देना हम सभी की जिम्मेदारी है।

झारखंड कैबिनेट 12 अहम प्रस्तावों पर लगी मुहर

रांची : झारखंड के प्रोजेक्ट भवन में आज यानी मंगलवार को कैबिनेट की बैठक की गयी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट की बैठक में 12 अहम प्रस्तावों पर मुहर लगायी गयी। किन-किन अहम प्रस्तावों को हरि झंडी मिली । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय

झारखण्ड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाई (MSME) विशेष छूट विधेयक-2025 के गठन की स्वीकृति दी गई।

बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम (BSIDC) एवं बिहार स्टेट इलेक्ट्रोनिक डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लि० (BSEDCL) से संबंधित आस्तियों एवं दायित्वों के बंटवारे की स्वीकृति दी गई।

सुनील कुमार तत्कालीन उप निदेशक भूमि संरक्षण अनुसंधान केन्द्र डेमोटाँड, हजारीबाग-सह-निदेशक "समेति" सम्प्रति सेवानिवृत्त के द्वारा समर्पित विभागीय संकल्प संख्या-488 दिनांक-21.02.2024 के माध्यम से अधिरोपित दण्ड पर पुनर्विचार संबंधी आवेदन को अस्वीकृत किये जाने की स्वीकृति दी गई।

झारखण्ड जगुआर (एस०टी०एफ०) में प्रतिनियुक्त स्व० राजेश कुमार, तत्कालीन उप समादेष्टा, 84वी० वाहिनी, सीमा सुरक्षा बल के आश्रित को सेवांत लाभों के भुगतान की स्वीकृति दी गई।

झारखण्ड आंगनबाड़ी सेविका/सहायिका चयन एवं मानदेय (अन्य शर्तों सहित) नियमावली, 2022 (यथा संशोधित) में संशोधन की स्वीकृति दी गई।

राज्य सरकार के कर्मियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (छठा केन्द्रीय वेतनमान दिनांक 01.07.2024 के प्रभाव से महँगाई भत्ता की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गई।

राज्य सरकार के पेंशनधारियों / पारिवारिक पेंशनभोगियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (छठा केन्द्रीय वेतनमान) में दिनांक 01.07.2024 के प्रभाव से महँगाई राहत की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गई।

राज्य सरकार के कर्मियों को अपुनरीक्षित वेतनमान (पंचम वेतनमान) में दिनांक 01.07.2024 के प्रभाव से महँगाई भत्ता की दरों में अभिवृद्धि की स्वीकृति दी गई।

झारखण्ड कारखाना (संशोधन) नियमावली, 2023 के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई।

राज्य के चयनित सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में बाजार माँगो के अनुसार नवीनतम तकनीकि जानकारी ऑटोमोबाईल निर्माण व्यवसायों (Automobile Manufacturing Trades) में प्रदान करने हेतु झारखण्ड वित नियमावली के नियम 235 को नियम 245 के तहत शिथिल करते हुए मनोनयन के आधार पर मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड, कॉरपोरेट ऑफिस प्लॉट नं0-01, नेल्सन मंडेला रोड, बसंत कुंज, नई दिल्ली के सहयोग से CSR के तहत समझौता ज्ञापन (Memorandom of Understand) हस्ताक्षर करने के लिए मंत्रिपरिषद् की स्वीकृति दी गई।

"Ease of Doing Business" के तहत औद्योगिक नीति एवं संवर्द्धन विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा तैयार किये गये "Business Reforms Action Plan" के अनुपालन हेतु कारखाना अधिनियम, 1948 के केन्द्रीय अधिनियम संख्या 63 में संशोधन हेतु कारखाना (झारखण्ड संशोधन), विधेयक, 2024 की स्वीकृति दी गई।

संक्षिप्त खबर

सदर अस्पताल से नवजात की चोरी, पुलिस तलाश में जुटी

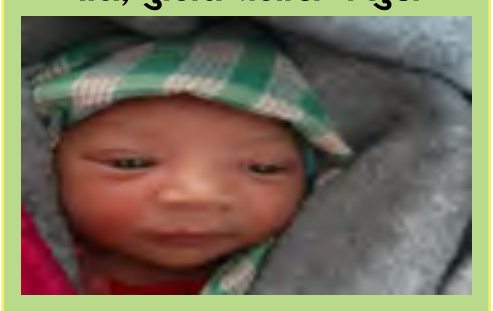

रांची : राजधानी रांची के सदर अस्पताल से एक नवजात बच्ची को अज्ञात लोगों ने चुरा लिया। घटना की जानकारी मिलते ही लोअर बाजार पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है और मासूम की तलाश तेज कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक 14 फरवरी को सदर अस्पताल के लेबर रूम में एक बच्ची का जन्म हुआ था। सोमवार की रात अज्ञात चोरों ने उसे लेबर रूम के बाहर से चोरी कर लिया। बच्ची के गायब होने से उसके माता-पिता सदमे में हैं और रो-रोकर उनका बुरा हाल है।

चोरी हुई बच्ची रांची के पिठोरिया निवासी उमेश बेड़िया और सबिता देवी की बेटी है। बच्ची के लापता होने के बाद उसके पिता उमेश बेड़िया ने लोअर बाजार थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। लोअर बाजार थाना प्रभारी दयानंद कुमार ने बताया कि पुलिस टीम अस्पताल के सभी सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपी का पता लगाया जा सके। साथ ही अन्य सुराग भी जुटाए जा रहे हैं ताकि बच्ची को सुरक्षित वापस लाया जा सके।

महाकुंभ का 38वां दिन, 55 करोड़ ने स्नान किया

प्रयागराज महाकुंभ खत्म होने में अब सिर्फ 7 दिन बचे हैं, लेकिन श्रद्धालुओं की भीड़ कम नहीं हो रही। 38 दिनों में कुल 55.56 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई। आज सुबह 8 बजे तक 30.94 लाख श्रद्धालु संगम में स्नान कर चुके हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह समेत कई राज्यों के मंत्री आज महाकुंभ में रहेंगे। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाई जा रही है कि सरकार ने भीड़ को देखते हुए महाकुंभ मेला मार्च तक बढ़ा दिया है। इस पर प्रयागराज के डीएम रविंद्र मंदार ने कहा- अफवाहों पर ध्यान न दें। महाकुंभ मेले का जो शेड्यूल होता है, वह मुहूर्त के हिसाब से जारी होता है और पहले से तय होता है। 26 फरवरी को ही महाकुंभ का समापन होगा। मंगलवार रात शहर से लेकर हाईवे तक भीषण जाम लगा रहा। शहर की गलियां श्रद्धालुओं से भरी रहीं।

स्टेशन पर क्यों मची थी भगदड़, RPF रिपोर्ट से खुला राज

नई दिल्ली नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ की घटना में 18 लोगों की मौत हो गई थी। रेलवे सुरक्षा बल (RPF) की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि प्रयागराज जाने वाली कुंभ स्पेशल ट्रेन के प्लेटफॉर्म बदलने की घोषणा के कारण यह हादसा हुआ। रिपोर्ट के अनुसार, घटना के दिन रात करीब 8:45 बजे घोषणा की गई कि कुंभ स्पेशल ट्रेन प्लेटफॉर्म नंबर 12 से रवाना होगी। कुछ समय बाद एक और घोषणा की गई कि ट्रेन अब प्लेटफॉर्म नंबर 16 से चलेगी। इस अचानक बदलाव के कारण यात्रियों में भगदड़ मच गई।

रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि उस समय प्लेटफॉर्म पर मगध एक्सप्रेस और उत्तर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस खड़ी थीं, जिससे पहले से ही भीड़ मौजूद थी। यात्रियों ने प्लेटफॉर्म 12-13 और 14-15 से फुटओवर ब्रिज के जरिए चढ़ने की कोशिश की, जबकि अन्य यात्री सीढ़ियों से उतर रहे थे। इस धक्का-मुक्की के बीच कुछ लोग गिर गए, जिससे भगदड़ की स्थिति उत्पन्न हुई।

रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि घटना से दो घंटे पहले स्टेशन पर 2600 जनरल टिकट बेचे गए थे, जबकि सामान्यतः एक दिन में 7000 टिकट बिकते हैं। इस दिन कुल 9600 टिकट बेचे गए थे, जिससे भीड़ और बढ़ गई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्टेशन पर इतनी भीड़ थी कि पैर रखने की जगह नहीं थी। कुछ यात्रियों ने कहा कि कन्फर्म टिकट वाले भी डिब्बे में नहीं घुस सके। इसके अलावा, ट्रेनों के कैंसिल और लेट होने के कारण भी स्थिति और बिगड़ गई थी।

'इंडिया' का नाम बदलकर भारत... दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को पक्ष रखने के लिए दिया समय

रांचीः राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस)-5 के मुताबिक झारखंड में 39% बच्चे कुपोषित हैं. वहीं, अति गंभीर रूप से कमजोर बच्चों की संख्या 9.1% है. इसमें शहरी क्षेत्र में 10.7% और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों की तादाद 8.8% है. इसके बावजूद रिम्स के पेइंग बिल्डिंग स्थित रेफरल कुपोषण उपचार केंद्र में इलाज के लिए पहुंचनेवाले कुपोषित बच्चों की संख्या नहीं के बराबर है. इस सेंटर की स्थापना अक्टूबर 2023 में की गयी थी. इन डेढ़ साल में इस सेंटर में केवल 84 बच्चों का ही इलाज किया जा सका है.

रिम्स के रेफरल सेंटर में भेजने का निर्देश

राज्य के मेडिकल कॉलेजों और जिला अस्पतालों को स्पष्ट निर्देश है कि उनके यहां आनेवाले कुपोषित बच्चों को इलाज के लिए रिम्स के रेफरल सेंटर में भेजना है, लेकिन विभागीय स्तर पर निगरानी और सख्ती नहीं होने के कारण कुपोषित बच्चों को यहां नहीं भेजा जा रहा है. रिम्स के शिशु ओपीडी में एक नर्स तैनात की गयी, जो परिजनों को प्रोत्साहित कर कुपोषित बच्चों को उपचार के लिए सेंटर में लाती है. इधर, कुपोषण उपचार केंद्र में मैनपावर की भी कमी है. एक समय था, जब न्यूट्रिशन, काउंसलर, रसोइया, वार्ड ब्वॉय और अन्य कर्मचारियों की कमी के कारण बच्चों के लिए पोषण युक्त भोजन की व्यवस्था करने में परेशानी होने लगी थी, जिसकी वजह से यहां बच्चों को भर्ती करना बंद कर दिया गया था. लेकिन, फिलहाल यह सेंटर संचालित है। कुपोषित बच्चों के इलाज का जिम्मा शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ दिव्या

सिंह संभाल रही हैं. उनका कहना है कि कुपोषित बच्चे इलाज के लिए नहीं पहुंचते हैं, जबकि सेंटर में सभी व्यवस्थाएं और सुविधाएं उपलब्ध हैं।

झारखंड में कुपोषण की स्थिति

एनएफएचएस-5 के मुताबिक, झारखंड में पांच साल से कम उम्र के 39.6%(आयु के अनुसार लंबाई) बच्चे बौने हैं. इसमें शहरी क्षेत्र में 26.8% और ग्रामीण इलाकों में 42.3% बच्चे शामिल हैं. वहीं, पांच वर्ष से कम आयु के कमजोर बच्चों(ऊंचाई के अनुसार वजन) की संख्या 22.4% है. जबकि, अति गंभीर रूप से कमजोर बच्चों की संख्या 9.1% है. इसके अलावा 6-59 महीने के एनीमिया से पीड़ित बच्चों की संख्या 67.5% है. वहीं, एक साल से कम उम्र के 39% बच्चे उम्र के हिसाब से कम वजन के हैं. हालांकि, एनएफएचएस-4 के मुताबिक, राज्य की स्थिति बेहतर हुए है, लेकिन अब भी सुधार की जरूरत है।

शशि शक्ति खाद्य पैकेट का हो रहा वितरण

झारखंड सरकार ने कुपोषण को खत्म करने के लिए इसी साल 18 जनवरी से 'शिशु शक्ति खाद्य पैकेट' का वितरण शुरू किया है. इस पैकेट में सरकार द्वारा वर्तमान में उपलब्ध कराये जा रहे राशन की तुलना में ज्यादा ऊर्जा, प्रोटीन और सूक्ष्म पोषक तत्वों से भरपूर है. इसकी शुरुआत पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर प्रखंड से पायलट प्रोजेक्ट के तहत की गयी है।

नई दिल्ली में आयोजित हुआ स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर सम्मान

रांची/नई दिल्ली। नई दिल्ली में स्पोर्ट्स वूमेन ऑफ द ईयर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन बीबीसी समूह के द्वारा किया गया था, जिसमें देशभर की राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय महिला खिलाड़ियों का सम्मान किया गया। इस सम्मान समारोह में रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ ने सबसे कम उम्र की पैराओलंपिक खिलाड़ी तीरंदाज शीतल देवी को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया जबकि मनु भाकर को प्लेयर ऑफ द ईयर से सम्मानित किया गया। शीतल देवी दिव्यांग हैं और पैरों से तीरंदाजी करती हैं। रक्षा राज्य मंत्री ने सम्मान के उपरांत तीरंदाज शीतल देवी को गोद लेने की भी घोषणा की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि हमारी बेटियों का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसे समारोह का आयोजन प्रशंसनीय है। इससे हमारी बेटियों का मनोबल निश्चित तौर पर बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि संयोग की बात है कि मैं झारखंड से आता हूँ, जो खेल की दुनिया में अलग पहचान रखता है। महेंद्र सिंह धोनी की लोकप्रियता तो ऐसी है कि विदेशों में भी उनके प्रशंसक मिल जाते हैं। झारखंड से आने वाली बेटियों ने खेल की दुनिया में काफ़ी नाम रोशन किया है। महिला हॉकी से लेकर तीरंदाज़ी तक में झारखंड की बेटियों ने काफ़ी शानदार खेल दिखाया है। फुटबॉल में भी कम उम्र से बेटियां अच्छा कर रही हैं। अंडर 17 फुटबॉल टीम में आधी टीम झारखंड की रही है। अब वे नेशनल टीम तक पहुँच रही हैं। इसके अलावा खोखों और लॉन बॉल जैसे खेल भी झारखंड की लड़कियाँ अंतरराष्ट्रीय इवेंट में मेडल जीत कर ला रही हैं। असुंता लकड़ा, रीना कुमारी, दीपिका कुमारी, लवली चौबे, सुमराय टेटे, सलीमा टेटे, अरुणा मिश्रा, पूर्णिमा महतो, सपना कुमारी, प्रियंका केरकेट्टा सहित कई बेटियों ने भारत को कई मेडल लाकर दिए। समाज की बेटियों के लिए यह सभी बेटियों प्रेरणा बनी है। संजय सेठ ने कहा कि जिस विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे हैं, उस विकसित भारत का स्वप्न इन खिलाड़ी बेटियों के सहयोग से भी पूरा होगा। इसके लिए हमारी सरकार लगातार ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देती आयी है, जिसमें बेटियों को सबल बनाने पर ज़ोर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद खेल को बढ़ाने को लेकर गंभीर है। खिलाड़ियों का प्रोत्साहन हो। उनका उत्साहवर्धन हो। खिलाड़ी अपने क्षेत्र में अच्छा करें, इस दिशा में हर तरह के प्रशिक्षण और संसाधन मुहैया कराई जा रहे हैं। बेटी पढ़ाओ, बेटी बढ़ाओ से लेकर खेलो इंडिया तक की नीतियों में इस बात पर ज़ोर दिया जा रहा है। प्रधानमंत्री हमेशा इस पहलू को लेकर देशवासियों को राह दिखाते हैं।

संजय सेठ ने कहा कि झारखंड जैसे राज्य से हमारी बेटियों की उपलब्धियाँ बेमिसाल हैं। उनकी उपलब्धियां ने पूरे दुनिया में झारखंड और भारत का मस्तक ऊंचा किया है। भारतीय विमेंस हॉकी टीम की कप्तान सलीमा टेटे को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

छात्रोपयोगी वेब पोर्टल्स का अनावरण तथा रांची विज्ञान केंद्र

रांचीः मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन झारखंड मंत्रालय स्थित सभागार में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत छात्रोपयोगी वेब पोर्टल्स का अनावरण तथा रांची विज्ञान केंद्र, रांची के नव प्रवर्तन केंद्र का शुभारंभ समारोह एवं झारखंड अनुसंधान तथा नवाचार नीति-2025 हेतु आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि सम्मिलित हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन ने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा विकसित 6 पोर्टल्स का अनावरण एवं रांची विज्ञान केंद्र, रांची अवस्थित नव प्रवर्तन केंद्र (इनोवेशन हब) का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री सुदिव्य कुमार, मुख्य सचिव अलका तिवारी, अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग श्री राहुल कुमार पुरवार, मैनेजिंग डायरेक्टर-सह-सीईओ सीएससी ई-गवर्नेंस सर्विस इंडिया लिमिटेड श्री संजय कुमार राकेश, राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालय के कुलपतिगण सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विभिन्न पोर्टल्स के अनावरण का मुख्य उद्देश्य..

डिजिटल गवर्नेंस तथा डिजिटल इनफ्रास्ट्रक्चर को सुदृढ़ करने हेतु उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम के डिजिटल कार्यान्वयन, वेतन निर्धारण और सत्यापन पोर्टल, निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन पोर्टल, वित्त रहित कॉलेज अनुदान आवेदन पोर्टल जैसे कई पोर्टलों को विकसित किया गया है।

वेतन निर्धारण पोर्टल :- विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के शिक्षकों एवं शिक्षकेत्तर कर्मियों के वेतन सत्यापन को सरल बनाने, त्रुटियों को कम करने एवं दक्षता में सुधार करने हेतु वेतन निर्धारण पोर्टल विकसित किया गया है।

लर्निंग मैनेजमेंट पोर्टल :- ऑनलाइन मोड में शिक्षण और प्रशिक्षण सेवाओं का प्रबंधन करेगा एवं संस्थानों में चल रहे शैक्षणिक कार्यक्रमों, प्रशिक्षणों या शिक्षण और विकास कार्यक्रमों के प्रशासन, दस्तावेजीकरण आदि के प्रबंधन करने में मदद करेगा।

निजी विश्वविद्यालय प्रबंधन पोर्टल :- निजी विश्वविद्यालय पोर्टल राज्य में नए निजी विश्वविद्यालयों के स्थापना एवं प्रबंधन की प्रक्रिया को सरल बनाएगा।

मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना पोर्टल :- उच्च एवं तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देने, उच्च शिक्षण संस्थानों स्तर पर शोध को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से लागू हेतु यह पोर्टल विकसित किया गया है। इससे विद्यार्थियों को फेलोशिप हेतु आवेदन एवं इसका लाभप्राप्त करने में आसानी होगी।

अप्रेंटिस प्रबंधन पोर्टलः- राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों / महाविद्यालयों तथा विभागान्तर्गत अन्य संस्थानों में अप्रेंटिस प्रशिक्षुओं का चयन करते हुए उन्हें प्रशिक्षित किया जाना है। उक्त प्रशिक्षुओं के चयन प्रक्रिया को सरल एवं सुलभ करने हेतु अप्रेंटिस प्रबंधन पोर्टल विकसित किया गया है।

वित्त रहित कॉलेज अनुदान पोर्टल :- राज्य में वित्त रहित स्थायी संबद्धता प्राप्त महाविद्यालयों को अनुदान प्रदान करने की मौजूदा प्रक्रिया में न केवल समय लग रहा है, बल्कि निरीक्षण और सत्यापन के कई स्तर भी है। इस पोर्टल के विकसित होने से महाविद्यालयों को अनुदान प्रदान करने की प्रक्रिया सरल होगी और समय भी कम लगेगा।

इनोवेशन हब (Innovation Hub) :- क्षेत्रीय विज्ञान केन्द्र, राँची परिसर में स्थापित इनोवेशन हब रचनात्मक एवं नवाचारी विचारों का पोषण, इनोवेटिव सोच और व्यावहारिक समस्या का समाधान, इनोवेशन को प्रेरित करने आदि के लिए उचित वातावरण प्रदान करेगा।

साइन्स सिटी, रांचीः- रांची स्थित क्षेत्रीय विज्ञान केंद्र साइन्स सिटी के रूप में अपग्रेड करने हेतु 270 करोड़ की परियोजना तैयार की गई है। इसका निर्माण लगभग 25 एकड़ भूमि पर किया जाएगा। इसके निर्माण से रांची में वैज्ञानिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटकों के दर्शन हेतु वैज्ञानिक प्रदर्शन के साथ-साथ मनोरंजन का साधन भी उपलब्ध होगा।

कार्यक्रम में ये रहा खास..

रांची विश्वविद्यालय, रांची के प्रस्तावित नए भवन का प्रेजेंटेशन :- रांची विश्वविद्यालय का नया भवन कुल रु० 1100 करोड़ की लागत से रांची जिला के चेड़ी में अवस्थित 87 एकड़ भूमि पर स्टेट ऑफ द आर्ट के रूप में रांची विश्वविद्यालय, रांची के नए परिसर का निर्माण किया जा रहा है। इस नए परिसर में राज्य के 30,000 छात्र-छात्राओं को विश्वस्तरीय सुविधा के साथ शिक्षा उपलब्ध कराया जाएगा।

झारखंड स्टूडेंट रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी, 2025 का उद्देश्य :- राज्य में छात्रों के बीच अनुसंधान, नवाचार और उद्यमिता की संस्कृति को बढ़ावा के उद्देश्य से झारखंड स्टूडेंट रिसर्च एंड इनोवेशन पॉलिसी, 2025 गठित की जा रही है। यह नीति उच्च शिक्षा में अनुसंधान के एकीकरण पर जोर देती है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप है। यह नीति स्टार्टअप के लिए सीड फंडिंग (seed funding) और अनुसंधान परियोजनाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों के लिए अनुदान प्रदान करती है। रु० 1,280 करोड़ के बजट के साथ यह नीति झारखंड छात्र अनुसंधान एवं नवाचार निधि के तहत विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को संस्थान अनुसंधान और इनोवेशन सेल की स्थापना के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करेगी। झारखंड को अनुसंधान-आधारित आर्थिक और तकनीकी विकास का एक प्रमुख केंद्र बनाने में यह नीति सहायक होगी।

शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल मोड में ले जाने का प्रयास :- श्री सुदिव्य कुमार, मंत्री, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग,

इस अवसर पर उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के मंत्री श्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि राज्य में उच्च शिक्षा की पहुँच को सरल बनाने हेतु मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन के उद्देश को सार्थक बनाने की ओर बढ़ाए गए इस ठोस कदम के लिए मैं विभाग के पदाधिकारियों का स्वागत करता हूँ, यहां उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों को मैं अपनी ओर से बहुत-बहुत आभार एवं शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राज्य के बच्चों को दक्ष बनाना सरकार की प्राथमिकता है। दक्षता के क्षेत्र में झारखण्ड के विद्यार्थियों को आगे रखने के उद्देश्य को पूरा करने के लिए उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग अंतर्गत विभिन्न पोर्टल्स का शुभारंभ होना एक सकारात्मक पहल है। इन महत्वपूर्ण पोर्टल्स की लॉन्चिंग आज मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के करकमलों से हुआ है। इन पोर्टल्स के जरिए राज्य की शिक्षा व्यवस्था को डिजिटल मोड में ले जाने का प्रयास किया गया है। अब आवेदनों की लंबी परिपाटी और धीमा वर्क कल्चर के इतिहास से निकलना है। अब पोर्टल में किसका आवेदन पड़ा है यह सबके समक्ष प्रदर्शित होता रहेगा। आवेदन करने वालों को पता होगा, उनका आवेदन किसके पास लंबित है और आवेदन प्राप्त करने वाले को भी इसकी जानकारी मिलती रहेगी। मैं स्वयं इसकी निगरानी करूँगा। उन्होंने कहा कि हमलोगों ने नए कदम की शुरुआत की है। मैं मानता हूँ हम लड़खड़ायेंगे, लेकिन फिर संभलेंगे और नया कदम आगे बढ़ाएँगे। मैं विभागीय अधिकारियों से आग्रह करता हूं कि पोर्टल से किसी को असुविधा न हो, एक क्लिक में उन्हें जानकारी प्राप्त हो। किसी भी तरह के शिकायत का निस्तारण यथा शीघ्र करने का प्रयास सुनिश्चित किया जाए।

बेंगलूरु में गीता चौबे गूंज की पुस्तकों का लोकार्पण

रांचीः अभ्युदय अंतर्राष्ट्रीय संस्था का वसंतोत्सव कार्यक्रम बेंगलूरु शहर के जस्टबी वीगन रेस्टोरेंट में संपन्न हुआ। जिसमें साहित्यकार गीता चौबे गूंज की दो पुस्तकों का लोकार्पण हुआ। साथ ही कहानी-संग्रह "इंद्रधनुषी सपने" एवं दुमदार दोहा-सतसई "बहे त्रिवेणी-धार" का विमोचन सह कृति-चर्चा की गयी। कृति-चर्चा में मुख्य वार्ताकार थे संस्था के सलाहकार डॉ प्रेम तन्मय जो स्वयं एक उच्चकोटि के साहित्यकार एवं ग़ज़लकार हैं। उनके साथ संस्था की संस्थापक अध्यक्ष डॉ इंदु झुनझुनवाला थीं। वार्ता के दौरान यह बात उभरकर आयी कि अमीर खुसरो के द्वारा शुरू किया गया दुमदार दोहे की परंपरा को आगे बढ़ाते हुए 700 दोहों की 1400 दुम के साथ गीता चौबे गूंज की पुस्तक "बहे त्रिवेणी-धार" (दुमदार दोहा-सतसई) संभवतः अभी तक की प्रथम पुस्तक है। डॉ इंदु झुनझुनवाला ने कहानी-संग्रह "इंद्रधनुषी सपने" पर बात करते हुए कहा कि गीता चौबे के इस पुस्तक की प्रत्येक कहानी में एक संदेश के साथ समाधान भी छिपा हुआ है । जो समाज को सही राह दिखाने का अच्छा माध्यम बन पड़ा है। ध्यातव्य हो कि गीता चौबे गूँज की अब तक दस पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं जिनमें दो उपन्यास, प्रबंध-काव्य, गीत-संग्रह, कविता-संग्रह, लघुकथा-संग्रह आदि हैं। कार्यक्रम का दूसरा सत्र वसंतोत्सव के रूप में मनाया गया। जिसमें उपस्थित कवियों द्वारा अपनी कविता न पढ़कर एक-दूसरे की कविता पढ़ी गयी। यह एक नया प्रयोग था, जिसे काफी सराहना मिली।

कार्यक्रम की शुरुआत मोना सिंह के द्वारा सरस्वती-वंदना से हुई। ध्येय गीत ज्योति तिवारी एवं डॉ इंदु झुनझुनवाला के द्वारा गाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में थे आर एन बगदलकर पूर्व निदेशक, मानव संसाधन विभाग एवं अध्यक्षता कमल किशोर राजपूत ने की। दो सत्रों के संचालन का उत्तरदायित्व ज्योति तिवारी, संतोष भाऊवाला, त्रिशला मिश्रा एवं भगवती सक्सेना ने सफलतापूर्वक निभाया। इस अवसर पर रास दादा रास, विभा रानी श्रीवास्तव, वीणा गुप्ता मेदिनी, रचना उनियाल, पल्लवी शर्मा, ब्रजेंद्र मिश्रा, अनिल मोघे, सुदेश वत्स, अजय सिंह, अर्चना गुप्ता, ममता साह, कविता शास्त्री, उमा शर्मा, रतिन्दर कौर, अजय आवारा, पद्मा श्रीनिवासन, सरिता आदि अनेक प्रबुद्ध साहित्यकारों के साथ उज्ज्वल, अर्पिता, सुरभि, सुषमा, प्रतीक, सुरेन्द्र, महेन्द्र भी उपस्थित थे। वंदेमातरम के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया।

जेसोवा ने ब्रेल लिपि की पाठ्यपुस्तकों का किया वितरण

रांचीः झारखंड आईएएस ऑफिसर्स वाइव्स एसोसिएशन (जेसोवा) द्वारा राजकीय नेत्रहीन विद्यालय हरमू में नेत्रहीन विद्यार्थियों के बीच ब्रेल लिपि की पाठ्यपुस्तकों का वितरण किया गया। नेत्रहीन विद्यार्थियों के पठन पाठन में ब्रेल लिपि की पुस्तकों को बहुत महत्त्वपूर्ण माना गया है ।उल्लेखनीय है कि ब्रेल लिपि की पाठ्य पुस्तकें की उपलब्धता सीमित होती है और जेसोवा ने विशेष तौर पर आपूर्ति सुनिश्चित करायी ।कार्यक्रम की अध्यक्षता जेसोवा की अध्यक्ष प्रीति कुमारी ने की । उनके द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित राजकीय नेत्रहीन विद्यालय एवं राजकीय मूक बधिर विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ संवाद किया गया तथा उनसे उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई । जेसोवा की सचिव गायत्री सिंह ने विद्यार्थियों को संघर्षमय जीवन में विपरीत परिस्थितियों के बावजूद सफल होने हेतु टिप्स दिए । कार्यक्रम में जिला समाज कल्याण पदाधिकारी सुरभि सिंह, राजकीय नेत्रहीन विद्यालय एवं राजकीय मूक बधिर विद्यालय के अध्यापक, जेसोवा की सदस्य निक्की टोप्पो, जसीना सिद्दीकी, जगथा, दिव्याश्री, यामिनी कुमारी, अर्चना मुथु, ज्योति भजंत्री, स्टेफी मुर्मू, प्रेरणा, श्रेया चौरसिया, आर्या गौतम, अपूर्वा जौहरी, नीलम ललित, ललिता ओरांव आदि उपस्थित थे।

सीएम हेमन्त सोरेन ने कुल 289 अभ्यर्थियों को दिया नियुक्ति पत्र

रांचीः मुख्यमंत्री के दिशा निर्देश में राज्य में बड़े पैमाने पर नियुक्तियां की जा रही हैं । इसी क्रम में नगर विकास विभाग एवं आवास विभाग झारखंड के अंतर्गत प्रोजेक्ट बिल्डिंग स्थित द्वितीय तल सभागार में 289 अभ्यर्थियों की मुख्यमंत्री श्री हेमंत सोरेन के हाथों द्वारा नियुक्ति पत्र सौंपा गया। नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को माननीय मंत्री वित्त विभाग श्री राधाकृष्ण किशोर ने नवनियुक्त अभ्यर्थियों संबोधित करते हुए कहा कि हमें ये विश्वास है कि आप अपने मेहनत से आगे भी कामयाबी हासिल करेंगे । आप संकल्प लें कि व्यवस्था ,सिस्टम के किसी भी क्षेत्र में ईमानदारी , निष्ठा के साथ काम करेंगे और सरकार के प्रयासों में सार्थक भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य का निर्माण जिस उद्देश्य के साथ हुआ था, माननीय मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन उस उद्देश्य को पूरा करने के लिए प्रयासरत हैं। शहरी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के साथ साथ सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में भी कई काम किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री , ग्रामीण क्षेत्र के विकास में ,शहरों के इन्फ्रास्ट्रक्चर्स को मजबूत करने में लगे हैं। मुख्यमंत्री श्री हेमन्त सोरेन झारखंड को युवाओं का राज्य बनाना चाहते है । इसका कड़ी में आज युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है। हेमन्त सरकार -2.0 में सरकार राज्य के विकास प्रति समर्पित हैं और उनके नेतृत्व में हमलोग कदम बढ़ा चुके हैं।

हर झारखंडी के चेहरे पर मुस्कान हो, ये आपकालक्ष्यहोनाचाहिएः संजयप्रसादयादव

उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आज झारखंड के विकास के पन्नों में एक नया अध्याय जोड़ा जा रहा है। उन्होंने अभ्यर्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड के विकास में, सभी जन कल्याण के विचारों को सार्थक करने की शपथ लें । हर झारखंडी के चेहरे पर मुस्कान हो, ये आपका लक्ष्य होना चाहिए । मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की सोच झारखंड को अग्रणी राज्यों की श्रेणी में लाकर खड़ा करना है। युवाओं को रोजगार दिलाना, उनके उज्जवल भविष्य की सोच के साथ मुख्यमंत्री की दिशा निदेश में हमलोग काम कर रहे हैं।

सरकार के जनहितकारी इरादों को साकार करनेमें आपकी भूमिका खासः सुदिव्यकुमार

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि आज इस प्रोजेक्ट बिल्डिंग से 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया जा रहा है । आखों में सुनहरी चमक लेकर आप उज्ज्वल भविष्य की ओर पहला कदम बढ़ा रहे हैं। शहरीकरण दिनों दिन तेजी से बढ़ रहा है । बेहतर शिक्षा एवं बेहतर स्वास्थ्य के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से निकल कर शहरों की तरफ़ आ रहे है । शहरों के इन्फ्रास्ट्रक्चर्स को हम मजबूत कर रहे हैं। हम शहरों के विकास के मानकों के आधार पर अपने निकायों को संचालित करने का प्रयास कर रहे हैं । आज बहुत ख़ुशी का दिन है कि तमाम राजनीतिक झंझावातों को पार करते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में झारखंड के बच्चों को नियुक्ति देने में सफल रहे हैं । हेमन्त सरकार 2.0 के तीसरे महीने में हमने नियुक्तियों का कारवां शुरू कर दिया है। उन्होंने नवनियुक्त अभ्यर्थियों को कहा कि नगर विकास मंत्री के तौर पर मेरी भी कुछ अपेक्षाएं आप से हैं । आज आपके लंबे सरकारी जीवन की शुरुआत हो रही है। सरकार के जनहितकारी इरादों को साकार करने में आपकी भूमिका एक अधिकारी और कर्मचारी के तौर पर बहुत महत्वपूर्ण है और आपसे बेहतर सेवाओं की उम्मीद है । आप सिस्टम का एक बेहतर पार्ट बनने आयें हैं।

नगर विकार के प्रति सरकार प्रतिबद्धः मुख्य सचिव

मुख्य सचिव अलका तिवारी ने कहा कि नगर के विकास के प्रति प्रतिबद्ध है । राज्य के एक चौथाई आबादी शहरों में निवास करती हैं। शहरी क्षेत्र राज्य के विकास का चेहरा होता है। निकाय क्षेत्रों में इन्फ्रास्ट्रक्चर्स की चुनौती है । सड़क, नाली ट्रांसपोर्टेशन की चुनौती है। ग्रामीण क्षेत्रों से लोग आजीविका की तलाश में शहर आते हैं, जिससे शहरों की भौगोलिक संरचना चुनौती के रूप में उभरती है। आप सभी के ऊपर दायित्व है कि शहरों के इन्फ्रास्ट्रक्चर्स को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभाएं। अर्बन एरिया में टेक्निकल लोगों की आवश्यकता है। पहले झारखंड में टाउन प्लानर की भी नियुक्ति होती थी लेकिन पहली बार सहायक टाऊन प्लानर की नियुक्ति वर्तमान सरकार में हो रही है। आप सभी को मेरी शुभकामनाएँ और पूरी लगन एवम् सुनियोजित नतीजे से ऐक्टिव रोल में अपने कार्यों को अंजाम दें और शहरों के विकास में झारखंड सरकार का साथ दें ।

नगर विकास विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने कहा कि आज खुशी का दिन है । सरकार के द्वारा इस वर्ष नियुक्तियां शुरू हो गई हैं । सरकार के द्वारा निकाय क्षेत्रों में विकास कार्य किए जा रहे हैं। इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है । नगर निकाय सहित विभिन्न सेक्टर में प्रतिभावान लोगों की जरूरत है। आप अपना काम तत्परता और पारदर्शिता के साथ करेंगे, ऐसी उम्मीद है।

कुल 289 अभ्यर्थियों को दिया गया नियुक्ति पत्र

कार्यक्रम में गार्डेन अधीक्षक, भेटनरी ऑफिसर, सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर, सेनेटरी सुपरवाईजर, राजस्व निरीक्षक एवं विधि सहायक के पदों पर कुल 289 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया । जिसमे गार्डेन अधीक्षक के 9,भेटनरी ऑफिसर के 8,सेनेटरी एण्ड फूड इंस्पेक्टर के 12,सेनेटरी सुपरवाईजर के 42 ,राजस्व निरीक्षक के 174 एवं विधि सहायक के 44 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र दिया गया । राज्य सरकार लगातार विभिन्न विभागों में नियुक्ति कर रही है। ।इससे पूर्व नगर विकास एवं आवास विभाग के अंतर्गत कार्यपालक पदाधिकारी/सहायक नगर आयुक्त/विशेष पदाधिकारी, सहायक नगर निवेशक तथा लेखा पदाधिकारी सहित सहायक अभियंताओं, कनीय अभियंताओं, स्ट्रीट लाईट इंस्पेक्टर एवं पाईप लाईन इंस्पेक्टर सहित कुल-491 अभ्यर्थियों की नियुक्ति जा चुकी है।

इस अवसर पर मुख्य रूप से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार,निदेशक सुडा अमित कुमार,अपर सचिव ज्ञानेन्द्र कुमार सहित विभिन्न विभागों के पदाधिकारी एवं नवनियुक्त अभ्यर्थी उपस्थित थे ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति रांची की छमाही बैठक की समीक्षा

रांचीः मुख्य आयकर आयुक्त, शांतनु धमीजा, भारासे की अध्यक्षता में मंगलवार को होटल रेडिशन ब्लू में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास, के०का), रांची की छह महीने पर होने वाली समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक इस वित्तीय वर्ष की द्वितीय एवं नराकास की 28वीं बैठक थी। रांची स्थित नराकास समिति के सदस्य कार्यालयों में से लगभग 130 सदस्य इस बैठक में शामिल हुए जिसमें 45 कार्यालयों के कार्यालय/विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए।

बैठक का संचालन करते हुए समिति के सचिव डॉ० सूर्यकांत सामल ने अध्यक्ष के साथ-साथ यहां उपस्थित सभी विभागाध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों का स्वागत किया। स्वागत भाषण उपरांत बैठक में सम्मिलित सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने अपना परिचय दिया। सचिव ने अध्यक्ष के साथ, नराकास बैठक की महत्ता एवं सदस्य कार्यालयों से प्राप्त तिमाही रिपोर्टों की समीक्षा की।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में समिति के अध्यक्ष शांतनु धमीजा ने कहा कि ऐसी स्थिति आज नहीं रह गई है जहां राजभाषा हिन्दी में काम करना कठिन हो। केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में सरकारी काम में हिन्दी का अधिक-से-अधिक प्रयोग करने की भारतीय संविधान के अनुसार व्यवस्था है।

उन्होंने राजभाषा नीतियों, नियमों एवं आदेशों को लागू करने के लिए बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों से आग्रह किया। उन्होंने आगे यह भी कहा कि यदि अधिक से अधिक राजभाषा हिंदी में कार्य करना व करवाना है तो हमें इस प्रकार से योजना बनानी पड़ेगी कि लोग हमारे पास आएं और कहें कि मैं हिंदी में कार्य करना चाहता हूं।

वर्ष 2023-24 के लिए नराकास के सदस्य कार्यालयों द्वारा प्रकाशित पत्रिकाओं में से सर्वश्रेष्ठ प्रथम तीन पत्रिकाओं को अध्यक्ष महोदय के कर कमलों से स्मृति चिह्न प्रदान किया गया।

कृषि प्रणाली का पहाड़ी एवं पठारी अनुसंधान केंद्र के तकनीकी अधिकारी (राजभाषा), अणिमा प्रभा ने बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं बिस्किट्स का वितरण

रांचीः हार्मोनी इवेंट्स एंड स्कूल ऑफ म्यूजिक की संस्थापिका एवं प्रसिद्ध टी सीरीज गायिका वीणाश्री ने अपनी पूज्यनीय माता जी स्वर्गीय निवेदिता सरकार की पुण्यतिथि निवारणपुर स्थित राजेंद्र अनाथ आश्रम (आदिम जाति सेवा मंडल) मे जरूरतमंद बच्चों के बीच स्कूल बैग एवं बिस्किट्स टॉफी आदि वितरण कर मनाई। विदित हो स्वर्गीय निवेदिता सरकार ने 30 वर्षों तक रातू काठीटांड़ स्थित सरकारी विद्यालय में अपनी अमूल्य सेवाएँ प्रदान कीं थी जिससे अनेक बच्चों का जीवन उज्जवलमय भी हुआ। वे शिक्षिका के साथ-साथ समाज सेविका भी थीं।आज उनके आशीर्वाद से ही उनकी बेटी वीणाश्री जी की म्यूजिक स्कूल हार्मोनी इवेंट्स एंड स्कूल ऑफ म्यूजिक आगे बढ़ा रही हैं।इस म्यूजिक स्कूल में अभी नामांकन भी जारी है। इस कार्यक्रम में मुख्यरूप से भगवा नारी सेना के अध्यक्ष पिया बर्मन,छात्र क्लब ग्रुप के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा,वरीय संरक्षक विजय पाठक,संरक्षक रवि मेहता,समाजसेवी सिद्धार्थ जी,विजन आरोग्यम के निदेशक राजीव रंजन मिश्रा सहित आरव सिंघल,परवेज आलम,सुहैल खान,तबरेज खान,उपेन्द्र चौधरी,सुम्बर मुंडा,गुलजार खान जी की विशेषरूप से उपस्थिति रही। यह जानकारी म्यूजिक स्कूल की प्रशासनिक पदाधिकारी अंशुलिका सरकार ने दी है।

मेदांता हॉस्पिटल, रांची ने 100% कोरोनरी धमनियों में ब्लॉकेज वाले मरीज की जान बचाई

रांचीः मेदांता अब्दुर रज्जाक अंसारी मेमोरियल वीवर्स हॉस्पिटल, रांची में 55 वर्षीय एक व्यक्ति का जटिल और उच्च-जोखिम वाला ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया, जिसकी कोरोनरी धमनियों में 100% ब्लॉकेज था। यह ऑपरेशन हॉस्पिटल के कार्डियोथोरेसिक सर्जन डॉ. बालामुरली श्रीनिवासन ने अपनी टीम के साथ, जिसमें डॉ. सौरभ कुमार भी शामिल थे, किया था।

मरीज को सांस लेने में भीषण तकलीफ और छाती में दर्द हो रहा था, जिसके लिए उसे ऑक्सीजन की जरूरत थी। ईसीजी, इको और एंजियोग्राम टेस्ट हॉस्पिटल के कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. विनीत कुमार ने किया था ,जिन्होंने सांस लेने में तकलीफ को कम करने के लिए दवा भी दी थी।

ऑपरेशन में माइट्रल वाल्व को बदलना, एंडार्टेरेक्टमी करना और बाइपास सर्जरी करना शामिल था ताकि हृदय में रक्त प्रवाह सुचारू रूप से बहाल किया जा सके। डॉ. श्रीनिवासन ने बताया, "मरीज की कोरोनरी धमनियों में 100% ब्लॉकेज था, और माइट्रल वाल्व भी सिकुड़ गया था। उसका हृदय केवल 25% क्षमता पर काम कर रहा था। हमने वाल्व बदला, एंडार्टेरेक्टमी की और बाइपास सर्जरी कर उसकी जान बचाई।"

मरीज को 15 दिनों के बाद पूरी तरह से ठीक हो गए जिसके बाद अस्पताल से उन्हें छुट्टी दे दी गई। डॉ. श्रीनिवासन ने कहा, "ऑपरेशन जटिल और उच्च-जोखिम वाला था, लेकिन हम सफल परिणाम से खुश हैं।" उन्होंने बताया कि कई एंडार्टेरेक्टमी का सफल परिणाम नहीं होता है, लेकिन उन्हें इस मामले में आशा थी और सफलता मिली।

एंडार्टेरेक्टमी एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें धमनी की दीवार में जमा हुए एथेरोमैटस प्लाक मैटेरियल या ब्लॉकेज को हटाया जाता है। यह धमनी की दीवार से प्लाक को अलग करके किया जाता है।

पलामू के अपराधियों ने युवक को मारी गोली, गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

रांची रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों को पंक्तिबद्ध कराकर कोच में हो रहा प्रवेश

रांचीः हाल के दिनों में रांची रेल मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर यात्रियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है, विशेष कर प्रयागराज की ओर जाने वाली ट्रेनों के समय में प्रमुख स्टेशनों पर एवं ट्रेनों में यात्रियों की संख्या में वृद्धि हुई है। स्टेशनों पर यात्रियों के अतिरिक्त भीड़ के न बढ़े इसके लिए के लिए प्लेटफार्म पर सिर्फ वैसे यात्रियों को प्रवेश दिया जा रहा है जिनकी ट्रेन का समय हो गया हो तथा उनके पास यात्रा के लिए वैध टिकट है। साथ ही यात्रियों को पंक्तिबद्ध कराकर कोच में प्रवेश दिया जा रहा है | मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर उच्च अधिकारी लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं । पर्याप्त संख्या में वाणिज्य विभाग के कर्मचारी, रेल सुरक्षा बल के जवानों की तैनाती है, साथ ही रेलवे अधिकारी एवं कर्मचारी भीड़ के प्रबंधन एवं यात्रियों की सहायता के लिए स्टेशनों पर उपलब्ध हैं । स्टेशनों पर ट्रेन संबंधी जानकारी बार-बार अनाउंसमेंट कर यात्रियों को दी जा रही है, तथा अनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से यात्रियों के लिए दिशा - निर्देश जारी किए जा रहे हैं, यात्रियों से अनुरोध है कि वे उन दिशा - निर्देशों का अवश्य पालन करें।अनारक्षित कोचों में यात्रा करने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ के प्रबंधन के लिए रेल प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि ट्रेन के अनारक्षित कोचों की क्षमता अनुसार ही टिकट यात्रियों को दी जाय।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना को लेकर उपायुक्त ने की बैठक

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के सफल क्रियान्वयन को लेकर समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में परियोजना अधिकारी ने बताया गया कि सरकार की ओर से संयंत्र क्षमता के हिसाब से एक किलोवाट पर अनुदान 30 हजार, दो किलोवाट संयंत्र क्षमता पर 60 हजार और तीन किलो वाट एवं उससे अधिक संयंत्र क्षमता पर अनुदान 78 हजार रुपये दिया जाएगा। इसके लिए उपभोक्ता नेशनल पोर्टल http://pmsuryaghar.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने कहा कि यह योजना सरकार की एक महत्वाकांक्षी योजना है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य घरेलू उपभोक्ताओं के द्वारा सोलर रूफटॉप के माध्यम से ऊर्जा दन को बढ़ावा देना है। इस हेतु जिले के उपभोक्ताओं, डिस्कॉम एवं अन्य हितधारकों के बीच समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। उपायुक्त ने कहा की पीएम सूर्यघर योजनान्तर्गत धनबाद जिला में किसी एक ग्राम को चिह्नित करते हुए मॉडल सौर ग्राम के रूप में विकसित किया जाना है। इस हेतु सर्वे कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश उपायुक्त द्वारा दिये गए।

उपायुक्त ने कहा कि इस योजना के प्रचार प्रसार हेतु शहरी क्षेत्र से लेकर ग्रामीण क्षेत्र में अधिकारी जाए एवं सभी लोगों को योजना की जानकारी पहुंचाए एवं योजना से लोगों को अच्छादित करें। इसके अलावा उन्होंने सभी सरकारी भवनों में इस योजना के अंतर्गत सोलर लगाने हेतु निर्देशित किया।

इस दौरान मुख्यमंत्री उज्ज्वला योजना के क्रियान्वयन की समीक्षा की गई। इस योजना के तहत घर, गांव, मोहल्ले-टोले में सर्वे कराकर विद्युतीकरण करने की योजना है। जिसे लेकर उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को छुटे हुए गांव, टोला, मोहल्ला का सर्वे कराकर घर-घर बिजली पहुंचाने हेतु निर्देशित किया।

मौके पर इलेक्ट्रिकल सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर इलेक्ट्रिसिटी धनबाद, गोविंदपुर, निरसा एवं झरिया के अलावा मैनेजर आरईसी, एलडीएम, डीपीआरओ समेत अन्य मौजूद रहें।

महाशिवरात्रि की तैयारियों को लेकर पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय लिया जायजा

रांचीः महाशिवरात्रि के शिव बारात को भव्य और विशाल बनाने के लिए आज श्री शिव बारात आयोजन महासमिति पहाड़ी मंदिर के मुख्य संरक्षक श्री सुबोधकांत सहाय,कांके विधायक सुरेश बैठा, संयोजक दीपक लाल, संरक्षक कुमार राजा महाशिवरात्रि के अवसर पर निकलने वाले भव्य और विशाल झांकियों का जायजा लिए एवं उसके मार्गो को देखा , साथी इस वर्ष इसे और भव्य और विशाल बनाने पर चर्चा किया गया सबसे पहले महासमिति के अध्यक्ष राजेश साहू के द्वारा अंग वस्त्र एवं पहाड़ी बाबा का प्रतीक चिन्ह देकर पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर श्री सुबोधकांत सहाय जी का स्वागत किया उसके बाद विधायक सुरेश बैठा जी, संरक्षक कुमार राजा एवं संयोजक दीपक लाल को अंग वस्त्र एवं पहाड़ी बाबा का प्रतीक चिन्ह देकर स्वागत किया ।सभी लोग हर सम्भव महासमिति के साथ हैं और इस वर्ष शिव बारात भव्य और विशाल हो जो पूरे शहर के मन मोह ले इसको लेकर चर्चा किया। आज के बैठक में मुख्यरूप से महासमिति के संरक्षक कुमार राजा , संयोजक दीपक लाल , अध्यक्ष राजेश साहू , गगन कुमार,दीपक नंदा , राजीव वर्मा , शुभाशीष चटर्जी , राजकुमार तलेजा ,उर्मिला चौधरी , स्वपना चटर्जी, राम सिंह आदि लोग मौजूद थे।

रांची । राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से पुष्कर महतो के नेतृत्व में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के शिष्टमंडल ने राज भवन में भेंट की तथा विभिन्न विषयों से संबंधित एक ज्ञापन समर्पित किया।

झारखण्ड में कृषि शुल्क प्रभावी किया जाना जनविरोधी निर्णयः चैंबर

रांचीः मार्केटिंग बोर्ड द्वारा फिर से कृषि उत्पाद पर बाजार शुल्क लगाने की कवायद शुरू किये जाने पर आपत्ति जताते हुए झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स द्वारा कडी नाराजगी जाहिर की गई। बाजार समिति के इस निर्णय का विरोध करते हुए चैंबर भवन में एक बैठक हुई। चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी और पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबडा ने संयुक्त रूप से कहा कि झारखंड की बाजार समितियों में आज तक कृषकों को उनकी उपज लाने और बेचने के साथ भंडारण और किसानों को सुविधा देने का कोई काम नही किया गया। एकीकृत बिहार के जमाने से चल रहे बाजार समितियों के द्वारा किसानों को विपणन सुविधा नही दी गई और न ही किसानों के उपजों के लिए कोई बाजार व्यवस्था की गई, जिसके लिए बाजार समिति की स्थापना की गई थी। अन्य राज्यों से आयातित चावल, दाल, तेल व अन्य खाद्य सामग्रियों पर बाजार शुल्क की वसूली का निर्णय जनविरोधी हे। किसान और व्यापारी दोनो एक दूसरे के पूरक हैं। किसान है तो व्यापारी हैं। व्यापारी को टैक्स देने में कोई परेशानी नही है लेकिन इसके लिए सबसे पहले कृषकों को बाजार में लाने और विपणन सुविधा देने की व्यवस्था बाजार समितियों द्वारा की जानी चाहिए अन्यथा मार्केटिंग बोर्ड की गलत नीतियों के विरोध में झारखण्ड चैंबर द्वारा राज्यव्यापी विरोध-प्रदर्शन के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

चैंबर भवन में संपन्न हुई बैठक में सदस्यों ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के एजेंडे में कृषकों का हित और उनका उत्थान प्राथमिकता में रहा है बावजूद इसके झारखंड में किसान विरोधी नीतियों को लागू कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिसपर पार्टी के शीर्ष नेताओं को संज्ञान लेने की आवश्यकता है। सदस्यों ने कहा कि बाजार समिति कृषकों को उनकी उपज का अधिकतम मूल्य दिलाने और विपणन सुविधा देने के लिए होता है। लेकिन झारखंड की बाजार समितियों को किसानों की समस्या से कोई सरोकार नहीं है बल्कि उनका एकमात्र उद्देश्य व्यापारियों के थोक खाद्यान्न व्यापार पर टैक्स लेना और व्यापारियों का भयादोहन करना ही है।

चैंबर महासचिव आदित्य मल्होत्रा ने मार्केटिंग बोर्ड द्वारा कृषि शुल्क लाने की योजना का कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जरूरत पडी तो झारखंड चैंबर का प्रतिनिधिमंडल इस मामले में मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री के साथ ही पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलकर झारखंड की बाजार समितियों की वास्तविकता से अवगत करायेगा।

बैठक में चैंबर अध्यक्ष परेश गट्टानी, महासचिव आदित्य मल्होत्रा, सह सचिव विकास विजयवर्गीय, कोषाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष प्रवीण जैन छाबडा, कार्यकारिणी सदस्य अमित शर्मा, संजय अखौरी, सदस्य प्रमोद सारस्वत, शशांक भारद्वाज, महेंद्र जैन, मनोज मिश्रा, तेजविंदर सिंह उपस्थित थे। उक्त जानकारी प्रवक्ता सुनिल सरावगी ने दी।

शब्द में डूबने मात्र से व्यक्ति किस प्रकार ईश्वर का हो जाता है

एसआरएफ-वाईएसएस के आध्यात्मिक प्रधान स्वामी चिदानन्द गिरि ने रांची में योगदा भक्तों को 'श्रवण' के मूल रहस्यों से साक्षात्कार कराते हुए बता दिया कि इस शब्द में डूबने मात्र से व्यक्ति किस प्रकार ईश्वर का हो जाता है

कृष्ण बिहारी मिश्र

गत् रविवार को योगदा सत्संग सोसाइटी ऑफ इंडिया एवं सेल्फ रियलाइजेशन फैलोशिप के आध्यात्मिक प्रधान स्वामी चिदानन्द गिरि जी रांची के योगदा आश्रम में थे। उनका आगमन रांचीवासियों और खासकर योगदा भक्तों के लिए परम आनन्द का विषय बना हुआ था। जब स्वामी चिदानन्द गिरि भक्तों के बीच में आये और जब उनका स्वागत स्वामी श्रद्धानन्द गिरि ने माल्यार्पण से किया और इधर जब शंखध्वनि सुनाई दी, तो ऑडिटोरियम में खड़े प्रत्येक श्रद्धालुओं के नेत्रों में गंगा-यमुना उमड़ पड़ी। सभी ने बड़े भावपूर्ण अंदाज में उनका स्वागत किया। शायद यही कारण रहा कि जब स्वामी चिदानन्द गिरि प्रवचन देने को हुए। तो उनके मुख से यह निकल पड़ा कि इस ऑडिटोरियम में आये एक-एक व्यक्ति असाधारण दिव्य आत्माएं है, जो प्रकाशस्वरुप प्रतिबिंबित हो रहे हैं। स्वामी चिदानन्द गिरि के प्रवचन सुननेवालों में भारत के प्रत्येक कोने के लोग थे और कुछ इस पल के साक्षी वे विदेशी भी थे, जो आध्यात्मिक सुख पाने को रांची में मौजूद थे। स्वामी चिदानन्द गिरि ने जीर्णोद्धार हुए ऑडिटोरियम का नामकरण जैसे ही 'श्रवणालय' के रूप में किया। हजारों की संख्या में बैठे योगदा भक्त भाव-विभोर हो उठे और यहीं से श्रवण और श्रवणालय की महत्ता को समझाना स्वामी चिदानन्द गिरि ने शुरु किया। जैसे-जैसे उनके प्रवचन अपने अंतिम छोर तक पहुंच रहे थे। ठीक वैसे-वैसे श्रवण और श्रवणालय की महत्ता से भी लोग दो-चार हो रहे थे, क्योंकि स्वामी चिदानन्द गिरि इन दोनों शब्दों के गूढ़ रहस्यों से सभी को परिचय करा रहे थे। स्वामी चिदानन्द गिरि ने कहा कि भारत के ऋषि-मुनियों ने जितना श्रवण के मूल रहस्यों को समझा। वैसा किसी ने समझने की कोशिश नहीं की। यहीं कारण रहा कि आध्यात्मिक तौर पर वे ईश्वर के ज्यादा निकट रहे। उन्होंने कहा कि श्रवण का मतलब सिर्फ सुनना नहीं हैं, बल्कि उसका मनन करते हुए, उसमें रम जाना, ईश्वरीय अनुभूतियों को महसूस करना है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि जब राजर्षि जनकानन्द जी एक बार गुरुजी के साथ ध्यान करने को बैठे, तो जैसे ही प्रार्थना के कुछ शब्द जैसे हैवेनली फादर, मदर, फ्रेंड, बिलवड गॉड कहना प्रारम्भ हुआ। राजर्षि जनकानन्द जी अचेत हो गये। कुछ लोगों ने कहा कि वे अचेत हो गये। लेकिन गुरुजी ने कहा कि वे अचेत नहीं हुए बल्कि वे समाधिस्थ हो गये। स्वामी चिदानन्द गिरि जी ने इस दृष्टांत के माध्यम से बता दिया कि श्रवण का मूल अर्थ क्या होता है? वे कहना चाहते थे कि श्रवण का अर्थ ही है कि जिनके बारे में हम सुन रहे हैं। बस उन्हीं का हो जाना है। जैसा कि राजर्षि जनकानन्द जी के साथ हुआ। उन्होंने दो-चार शब्द ही सुने थे और वे समाधिस्थ हो गये। ये हैं श्रवण का महत्व। उन्होंने कहा कि ये जो जगह हैं। यहां मैं जब भी होता हूं। तो पाता हूं कि मैं स्वयं को परिवर्तित महसूस कर रहा हूं। अपने महान गुरु के आशीर्वाद से अनुप्राणित हो रहा हूं। आप भी गुरुजी के टीचिंग, उनके बताये मार्ग, उनके द्वारा सीखाये गये क्रियायोग के बारे में जानने, सुनने का प्रयास करिये, ताकि आप भी बेहतर दिशा में आध्यात्म की सर्वोच्च शिखर पर पहुंच सकें। ये सभी के लिए आसान है। स्वामी चिदानन्द गिरि जी ने कहा कि श्रवण का मतलब है कि हम अपने अंदर की सारी बुराइयों को, उससे उत्पन्न होनेवाली तनावों को सदा के लिए दूर करें। इस श्रवणालय में आकर आप गुरुजी के बताये पाठों को स्मरण करने का प्रयास करें। उन पाठों में छपे शब्दों के मूल रहस्यों को जानने की कोशिश करें, ताकि आप आध्यात्मिक अनुभवों को जान सकें, समझ सकें। उन्होंने कहा कि आप हमेशा गुरुजी को विजुयलाइज्ड करें, उन पर खुद को एकाग्र करें, गुरुजी द्वारा बताये जा रहे गाइडलाइन्स को महसूस करें तथा प्रतिदिन के नियमित ध्यान, प्राणायाम, क्रिया के उपरांत गुरुजी के पाठमाला का अध्ययन अवश्य करें, यह मानते हुए कि वे शब्द गुरुजी स्वयं आपके समक्ष बोल रहे हैं और उन्हें आप आत्मसात् कर रहे हैं। फिर आप स्वयं महसूस करेंगे कि आप गुरुजी के कितने निकट हैं? उन्होंने यह भी कहा कि ईश्वर आपके निकटतम से भी निकट है और प्रियतम से भी प्रिय हैं। इसके पूर्व स्वामी अच्युतानन्द गिरि ने ऐसी भक्ति रसधारा बहाई, जिसमें सभी योगदा भक्तों ने डूबकी लगाई। यह भक्ति रसधारा ऐसी बही, जैसे लगा कि प्रयागराज में अवस्थित अमृत की बूंदें कुछ पल के लिए श्रवणालय में योगदा भक्तों के बीच भजन के रूप में छिड़की जा रही हो। खासकर 'अंधेरा काले पंछी समान, दूर उड़े और दूर उड़े ... ' शायद यही कारण रहा कि हमारे पास बैठे एक योगदा भक्त के मुख से यह निकल पड़ा कि भारत भी गजब का देश है।

दीयों की रोशनी से जगमगाएंगे ये अनोखे मंदिर, पारसनाथ में 'मंदिरों का संगीत'; वायलिन आकार में बन रहा जैन तीर्थ

गिरिडीहः गिरिडीह जिले में मधुबन पारसनाथ पहाड़ की तलहटी में 29 मंदिरों का निर्माण हो रहा है। इस मंदिर का निर्माण जैन धर्म की ओर किया जा रहा है और यह मंदिर करीब सवा लाख स्क्वायर फीट में फैला है। भगवान पार्श्वनाथ और 24 तीर्थंकरों के बन रहे मंदिरों में अलग-अलग कलाकृति, नक्काशी और डिजाइन का उपयोग किया जा रहा है। वर्ष 2015 से चल रहे मंदिर निर्माण कार्य में ओडिशा, राजस्थान और झारखंड के करीब 150 से 200 कलाकार और मजदूर प्रतिदिन काम कर रहे हैं। एक अनुमान के मुताबिक इन मंदिरों के निर्माण कार्य में करोड़ों रुपये खर्च हो चुके हैं और अगले एक-डेढ़ वर्षों में काम पूरा कर लिए जाने की संभावना है।

शाम में दीये की रोशनी से मूर्ति चमकेगी

सम्वेद शिखरजी सलेटी तीर्थ ट्रस्ट की ओर से निर्माणाधीन 29 मंदिरों के निर्माण कार्य को अब अंतिम रूप दिया जा रहा है। ताजमहल में इस्तेमाल हुए मकराना मार्बल से यह मंदिर बन रहा है। प्राचीन वास्तुकला के आधार पर मूर्तियां गई है और सजावट की जा रही है। पार्श्वनाथ मंदिर की सबसे खासियत यह है कि जैन धर्म में प्रचलित परंपरा के अनुसार शाम हो जाने के बाद रोशनी के लिए बिजली की कोई व्यवस्था नहीं की गई है, बल्कि शाम में दीये की रोशनी से मंदिर में स्थापित मूर्ति चमकेगी। भगवान पार्श्वनाथ और अन्य तीर्थंकरों की मूर्ति शाम में बिना बिजली के चमके और श्रद्धालु दर्शन कर सके, इसके लिए मंदिर ट्रस्ट की ओर से विशेष इंतजाम किए गए। वर्ष 2010 से सारे कामकाज की देखरेख कर रहे सुरेंद्र कुमार महतो ने बताया कि जैन में परंपरा के अनुसार सूर्यास्त के बाद मंदिर में दर्शन करने आने वाले श्रद्धालुओं को अलग ही सौंदर्य की अनुभूति प्राप्त होगी।

विधानसभा आम निर्वाचन-2024 के ड्यूटी के दौरान मृत स्व0 कार्तिक घोष की आश्रिता को उपायुक्त ने सौंपा 15 लाख की अनुग्रह अनुदान राशि

विधानसभा आम चुनाव 2024 के दौरान 39-निरसा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र के द्वितीय मतदान कर्मी कार्तिक घोष का निधन हो गया था। मृतक स्व० कार्तिक घोष की आश्रिता शंपा घोष को उपायुक्त सह जिला निर्वाचन पदाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा द्वारा 15 लाख की अनुग्रह अनुदान राशि आज सौंपा गया। उक्त राशि मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सह सचिव, झारखंड द्वारा उपलब्ध कराई गई थी।

इस दौरान उन्होंने मृतक के आश्रिता को सांत्वना देते हुए कहा कि जिला प्रशासन आपके साथ हर वक्त खड़ा है। वहीं उनके बच्चों को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं दी।

मौके पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी प्रदीप शुक्ला एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी कालिदास मुंडा मौजूद रहें।

मैट्रिक परीक्षाः दूसरे की जगह पर परीक्षा देते हुए छात्र पकड़ाया, निष्कासित

बोकारो। झारखंड अद्यिविद्य परिषद (जैक) द्वारा संचालित मैट्रिक परीक्षा में मंगलवार को दूसरे की जगह पर परीक्षा देने पहुंचे एक छात्र को पकड़ा गया है। मामला चास प्रखंड अंतर्गत उत्क्रमित उच्च विद्यालय (यूएचएस) सोनाबाद, सेंटर कोड 25014 का है।

जानकारी के अनुसार, परीक्षा केंद्र में वीक्षक द्वारा छात्रों के एडमिट कार्ड का सत्यापन क्रम में पाया गया कि राज कुमार गुप्ता नामक एक छात्र एक अन्य छात्र दयाल कुमार बाउरी के नाम का एडमिट कार्ड लेकर बैठा है। वीक्षक द्वारा संदेह होने पर संबंधित छात्र के एडमिट कार्ड एवं उसके आधार कार्ड का मिलान किया गया, जिसमें अंतर पाया गया।

इसके बाद वीक्षक ने पूरे मामले की जानकारी केंद्राधीक्षक को दी। केंद्राधीक्षक ने मामले से जिले के वरीय पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए संबंधित छात्र को निष्कासित करते हुए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया।

इस संबंध में जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा ने बताया कि मामले से झारखंड अद्यिविद्य परिषद (जैक) को अवगत करा दिया गया है। प्रशासन कदाचार मुक्त वातावरण में परीक्षा संपन्न कराने को लेकर प्रतिबद्ध है।

उपायुक्त की अध्यक्षता में की गई विभिन्न विभागों के कार्यों के प्रगति की समीक्षा

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सुश्री माधवी मिश्रा की अध्यक्षता में पेयजल एवं स्वक्षता विभाग, राजस्व निबंधन एवं भूमि सुधार विभाग, झारखंड औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार, कृषि पशुपालन एवं सहकारिता विभाग एवं नगर आवास एवं आवास विभाग से संबंधित धनबाद जिला में हो रहे कार्यों के प्रगति की समीक्षा की।

इस दौरान जल जीवन मिशन (JJM) अंतर्गत संचालित योजनाओं की समीक्षा, SBM अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की समीक्षा, निबंधित खनन पट्टों की समीक्षा कर अनुमान्यता से कम मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क भुगतान किये जाने की स्थिति में नियमानुसार वसूली हेतु कार्रवाई की समीक्षा, खनन पट्टा पर मुद्रांक शुल्क एवं निबंधन शुल्क को प्रभावित करने वाले समस्त तथ्यों के निमित्त निर्गत दिशा-निर्देश के अनुपालन की समीक्षा, राज्यांतर्गत राजस्व कार्यालयों के नियमित निरीक्षण की समीक्षा, जाली मुद्रांको की बिक्री रोकने के संबंध में की गई कार्रवाई की समीक्षा, सरकारी भूमि के स्थायी हस्तांतरण/लीज बंदोबस्ती हेतु अभिलेख गठन के समय विभागीय निदेशों के अनुपालन की समीक्षा, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना से संबंधित समीक्षा, मुख्यमंत्री पशुधन योजना की समीक्षा, 100 एवं 500 एम०टी० क्षमता का कोल्ड स्टोरेज निर्माण से संबंधित भूमि संबंधित समस्या की समीक्षा, लैम्स/पैक्स को कार्यालय कार्य हेतु पंचायत भवन में एक कमरा उपलब्ध कराने से संबंधित समीक्षा, धनबाद वाटर सप्लाई फेज 2, धनबाद सीवरेज फेज 2 समेत कई अन्य मामलों की समीक्षा की गई।

उपायुक्त माधवी मिश्रा ने सभी विभाग के संबंधित पदाधिकारियों को आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी मामलों के कार्य मे आ रही समस्याओं का निबटारा करने हेतु निर्देशित किया। वहीं भूमि संबंधित मामलों के निष्पादन हेतु अपर समाहर्ता विनोद कुमार को निर्देशित किया गया। पशुपालन हेतु शेड निर्माण हेतु उप विकास आयुक्त सादात अनवर को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, नगर आयुक्त रविराज शर्मा, डायरेक्टर डीआरडीए राजीव रंजन, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, जिला खनन पदाधिकारी रितेश राज तिग्गा, एसडीएम राजेश कुमार, एलआरडीसी दिलीप महतो, डीएलएओ राम नारायण खलखो समेत विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहें।

झारखंड की नौकरशाही में बड़ा बदलाव! पूजा सिंघल को आईटी विभाग की कमान

रांचीः झारखंड में हेमंत सोरेन की नई सरकार में पहली बार बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों का तबादला किया गया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के 15 अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग की गई है। इससे चर्चित नाम आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल का है जिनकी नियुक्ति कर दी गई है।

1996 बैच के आईएएस अधिकारी मस्त राम मीना को पेयजल एवं स्वच्छता विभाग का प्रधान सचिव बनाया गया है। आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल को सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवनेंस विभाग का सचिव बनाया गया है। जबकि अरवा राजकमल को अगले आदेश तक खान एवं भूतत्व विभाग का सचिव और विप्रा भाल को परिवहन सचिव बनाया गया है। कार्मिक प्रशासनिक सुधार और राजभाषा विभाग की ओर से मंगलवार को इसे लेकर अधिसूचना जारी कर दी गई। इसके अनुसार योजना एवं विकास विभाग के प्रधान सचिव मस्त राम मीणा को पेयजल विभाग का सचिव बनाया गया है और वो राजस्व पर्षद के प्रभारी सदस्य होंगे। जबकि पूजा सिंघल सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई-गवर्नेंस विभाग की सचिव के अलावा झारखंड कम्युनिकेशन नेटवर्क लिमिटेड में मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी की जिम्मेदारी भी संभालेंगी।

जनता दरबार में उपायुक्त ने सुनी आमजनों की शिकायत

धनबाद। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उनके द्वारा जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याएँ सुनी एवं अश्वासन दिया गया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा।

जनता दरबार में मुख्यतः रोजगार, पेंशन, जमीन विवाद संबंधी, पारिवारिक विवाद, ऑनलाइन रसीद, सड़क निर्माण, आर्म लाइसेंस, अवैध कब्जा, बिजली बिल माफी, जाति आवासीय प्रमाण पत्र बनाने हेतु कैम्प लगाने, आयुष्मान कवर्ड से इलाज कराने, मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने, अबुआ आवास समेत विभिन्न समस्याओं एवं शिकायत से अवगत हुए।

उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

खलासी नहीं करेंगे वाहन का परिचालन, ट्रांसपोर्टर करें सुनिश्चितः एसडीओ

बोकारो। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को जिले में बढ़ रही सड़क दुर्घटनों पर अंकुश लगाने को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी (एसडीओ) चास प्रांजल ढ़ांडा की अध्यक्षता में जिले में संचालित सीटीपीएस/बीटीपीएस प्रबंधन के प्रतिनिधियों एवं विभिन्न ट्रांसपोर्टरों के साथ बैठक की गई। मौके पर जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, सड़क सुरक्षा टीम के सदस्य आदि उपस्थित थे।

बैठक में जिला परिवहन पदाधिकारी ने बताया कि रात्रि में वाहन जांच अभियान के दौरान मालवाहक वाहनों का परिचालन चालक (ड्राइवर) के स्थान पर खलासी (सह चालक/हेल्पर) द्वारा किया जाता है, जो सही नहीं है। वहीं, कई वाहनों में केवल चालक या खलासी रहते हैं, यह भी सही नहीं है। कई वाहन ओवरलोड पाये जाते हैं एवं छाई/कोयले के ढ़ुलाई क्रम में तीरपाल का इस्तेमाल नहीं करते हैं। इन सभी कारणों से सड़क दुर्घटनाएं होती है।

मौके पर अनुमंडल पदाधिकारी चास ने कहा कि पीएसयू अपने यहां संचालित वाहनों में सुनिश्चित करें कि किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों की अनदेखी नहीं हो। वाहन का परिचालन वैद्य कर्मिशियल डीएल धारी चालक ही करें। वाहन परिचालन के समय चालक (ड्राइवर) के साथ सहचालक (खलासी) वाहन में मौजूद हो। सहचालक वाहन का परिचालन नहीं करेंगे, इसे सख्ती से सुनिश्चित करें।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय में परिवहन विभाग एवं उनके द्वारा सघन वाहन जांच अभियान दिन व रात में चलाया जाएगा। अगर किसी भी परिस्थिति में परिवहन नियमों/यातायात नियमों/ मोटर वाहन अधिनियम आदी की अनदेखी पाई जाती है, तो कार्रवाई के साथ जुर्माना वसूला जाएगा।

बैठक के क्रम में जिला परिवहन पदाधिकारी ने कहा कि वाहनों के साथ संबंधित ट्रांसपोर्टर के विरूद्ध भी नियम संगत कार्रवाई होगी। इसलिए ट्रांसपोर्टर सुनिश्चित करेंगे कि उनके वाहन में सभी वैद्य दस्तावेज उपलब्ध हो, वाहनों का बीमा, टैक्स आदि अपडेट हो। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर भी चर्चा कर जरूरी दिशा – निर्देश दिया।

एन.डी.पी.एस. एक्ट (खेती से संबंधित) के मामलों में अभियुक्तों की गिरफ्तारी

पलामू। पलामू जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में नारकोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एन.डी.पी.एस.) एक्ट के तहत कार्रवाई करते हुए निम्नलिखित अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है:

1. नौडीहा बाजार थाना कांड संख्या- 05/2023 (धारा- 15/18/25/27(A)/28/29 NDPS Act) अभियुक्तः लवलेश यादव (पिता- बीरा यादव) निवासीः धोबीडीह, थाना- छतरपुर, जिला- पलामू। गिरफ्तारी तिथिः 17 फरवरी 2025

2. पाँकी थाना कांड संख्या- 12/2025 (धारा- 8(B)/18(B)/29 NDPS Act) अभियुक्तः मुकेश यादव (पिता- हरदेव यादव) अभियुक्तः निरंजन कुमार यादव उर्फ रंजन यादव उर्फ गोला (पिता- राजकुमार यादव) निवासीः केकरगढ़, थाना- पाँकी, जिला- पलामू। गिरफ्तारी तिथिः 18 फरवरी 2025

3. मनातू थाना कांड संख्या- 12/2025 (धारा- 8(B)/18(B)/29 NDPS एवं 33 भारतीय वन अधिनियम) अभियुक्तः गोविन्द यादव (पिता- फकीरा यादव) निवासीः बड़की नागद, थाना- मनातू, जिला- पलामू। गिरफ्तारी तिथिः 18 फरवरी 2025

4. मनातू थाना कांड संख्या- 17/2025 (धारा- 8(B)/18(B)/29 NDPS एवं 33 भारतीय वन अधिनियम) अभियुक्तः इंदर यादव (पिता- सुगा यादव) निवासीः ताल, थाना- तरहसी, जिला- पलामू। गिरफ्तारी तिथिः 17 फरवरी 2025

उक्त सभी अभियुक्तों को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। पुलिस प्रशासन आम जनता से अपील करता है कि नशे के अवैध व्यापार के खिलाफ अपनी भूमिका निभाएं और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

शिविरों में जुटी लोगों की भीड़, किया आवेदन

बोकारो। उपायुक्त विजया जाधव के निर्देश पर जिले के सभी अंचलों के विभिन्न हल्का क्षेत्रों में विशेष राजस्व शिविर का आयोजन किया गया, जो आगामी 03 मार्च 2025 तक अलग-अलग हल्का क्षेत्रों में जारी रहेगा। पहले दिन मंगलवार को जिले के चास अंचल के रानीपोखर, पुनपुनकी, चास, जरीडीह अंचल के टांड़ बालीडीह, कसमार अंचल के पोण्डा, सोनपुरा, मंजुरा, पेटरवार अंचल के पतकी,मर्दाना,सदमाकला, बेरमो अंचल के अरमो, नावाडीह अंचल के मुगोरंगामाटी,चिरूडीह एवं चंद्रपुरा अंचल के तुरियो पंचायत भवन (हल्का क्षेत्र) में शिविर का आयोजन किया गया। जहां खतियानी रैयत के उत्तराधिकारियों एवं आपसी बंटवारा के आधार पर दाखिल – खारिज के लिए आवेदन प्राप्त किए गएं। शिविर में भूमि संबंधित अन्य समस्याओं का भी निराकरण संबंधित अंचल के अंचलाधिकारियों द्वारा किया गया। साथ ही, अग्रतर कार्रवाई के लिए आवेदन प्राप्त किया गया। शिविर में काफी संख्या में आमजन शामिल हुए।

वहीं, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी उक्त विशेष राजस्व शिविरों की निगरानी करते हुए संबंधित अंचलाधिकारियों को शिविर के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर प्रचार प्रसार करने का निर्देश दिया।

पुलिस अधीक्षक सरायकेला खरसावां

18.02.2025 को सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत विभिन्न थाना क्षेत्र में करीब 6.5 एकड़ अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया जिनकी विवरणी निम्न प्रकार हैः-

* ईचागढ़ थाना क्षेत्र अंतर्गत थाना प्रभारी ईचागढ़ के नेतृत्व में ग्राम बुरूहातु और कालीचामदा में करीब 3.5 एकड़ में अवैध अफीम की खेती को विनष्ट किया गया। इसके अलावा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे निरंतर जागरूकता अभियान से प्रभावित होकर कुचाई थाना (दलभंगा ओ0पी0) अंतर्गत ग्राम काडेरंगो में ग्रामीणो के द्वारा लगभग 03 एकड़ में अवैध अफीम को विनिष्ट किया गया है।

अफीम पोस्ट की खेती को विनष्ट किया गया

हजारीबाग। हजारीबाग जिला के चौपारण थाना अंतर्गत अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बरही के नेतृत्व में पुलिस निरीक्षक, बरही, थाना प्रभारी चौपारण एवं चौपारण थाना के पुलिस पदाधिकारी एवं वन विभाग की टीम के साथ मिलकर सिकदा एवं डोडिया के जंगलों में करीब 40 एकड़ वन भूमि पर लगे अवैध रूप से अफीम पोस्ट की खेती को विनष्ट किया गया. लोगों को चिन्हित कर प्राथमिक की दर्ज की जा रही ।

अफीम पोस्ट की खेती को विनष्ट किया गया

पलामू पुलिस द्वारा अपराध एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई पलामू।पलामू जिले के पांडू थाना क्षेत्र में अपराध एवं अवैध हथियारों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पुलिस ने छापेमारी के दौरान निम्नलिखित बरामदगी और गिरफ्तारी की हैः 1. पांडू थाना कांड संख्या- 12/2025 (धारा- 115(2)/117(2)/118(2)/109/126(2)/3(5) BNS एवं 8/12 POCSO Act) 2. पांडू थाना कांड संख्या- 13/2025 (धारा- 25(1-B)a/26/35 Arms Act) बरामदगीः 1. दो TVS Apache मोटरसाइकिल 2. दो Fighter (Punch) 3. एक अवैध देशी कट्टा (पिस्तौल) **प्राथमिक अभियुक्तः** 1. रवि कुमार (उम्र करीब 19 वर्ष) पिताः विनोद राम। निवासीः तीसरी बार, थाना- पांडू, जिला- पलामू अभियुक्त को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है और दिनांक 18 फरवरी 2025 को न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा

असुर जनजातिः लोहा गलाने की कला के 'जनक', टाटा कंपनी भी 'ज्ञान' का कर रही उपयोग; जानें आदिवासियों की अनसुनी कहानी

असुर आदिवासी समुदाय झारखंड में निवास करता है और वे प्राचीन काल से लौह उत्पादन की विधि जानते हैं। असुर लोग नदियों के किनारों से लकड़ी का कोयला बनाते थे और उसका उपयोग लौह अयस्क गलाने में करते थे। असुरों की पद्धति से टाटा स्टील ने भी लाभ उठाया। वर्तमान में असुर समुदाय के लोग लोहा गलाने की पारंपरिक कला से दूर हो रहे हैं।

लातेहारः झारखंड के असुर आदिम जनजाति समुदाय को लोहे गलाने की कला का जनक माना जाता है। असुर आदिवासी समुदाय के लोग सदियों से लोहा गलाने की परंपरा में दक्ष थे और टाटा स्टील कंपनी ने भी करीब 120 साल पहले उन्हीं के 'ज्ञान' का उपयोग आधुनिक तकनीक के साथ किया।

लेकिन लोहा गलाने की कला के बारे में दुनिया ज्ञान देने वाले असुर समाज के लोग आज अपनी पहचान और अस्तित्व के लिए संघर्ष कर रहे हैं। वे अपनी पारंपरिक लोहा बनाने की कला को जीवित रखने की कोशिश कर रहे हैं, साथ ही विकास और आधुनिकीकरण के दौर में अपनी जमीन और संस्कृति की रक्षा भी कर रहे हैं।

दुनिया को लोहा गलाने की तकनीक देने का श्रेय असुर, भारत का एक प्राचीन आदिवासी समुदाय, मुख्य रूप से झारखंड के गुमला, लोहरदगा, पलामू और लातेहार जिलों में निवास करता है। इन्हें दुनिया को लोहा गलाने की तकनीक देने का श्रेय दिया जाता है, जिसने मानव सभ्यता के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। हालांकि, समय के साथ लोहा गलाना उनके लिए मुख्य पेशा नहीं रहा, और उन्हें आजीविका के अन्य साधन तलाशने पड़े। आधुनिकीकरण और औद्योगीकरण के कारण, उन्हें अपनी जमीन और संसाधनों के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। टाटा स्टील जैसे बड़े उद्योगों की ओर से उनकी लोहा बनाने की पद्धति को अपनाये जाने के बावजूद, उन्हें इतिहास में उचित मान्यता नहीं मिली है।

असुरों की ओर से बनाया लोहा जंग रोधी गुणवत्ता वाला

असुरों समुदाय की ओर से बनाया गया लोहा अपनी जंग रोधी गुणवत्ता के लिए जाना जाता है, और उनकी लोहा बनाने की प्रक्रिया सुरक्षित, सस्ती और पर्यावरण के अनुकूल मानी जाती है। वो नदियों या तालाबों के किनारे मिलने वाली मृत साल की लकड़ी से लकड़ी का कोयला बनाते थे और इसका उपयोग लौह अयस्क को गलाने के लिए करते थे। इससे वे विभिन्न प्रकार के लोहे के औजार बनाते थे।

असुरों की लोहा बनाने की विधि अनोखी असुरों की लोहा बनाने की विधि अनोखी है। वे दो अलग-अलग प्रकार की भट्टियों का उपयोग करते हैं, एक पूरी तरह से भूमिगत और दूसरी आंशिक रूप से भूमिगत। दोनों भट्टियां लगभग 30 इंच ऊंची होती हैं और इनका तल अवतल होता है। ये भट्टियां साधारण मिट्टी से बनाई जाती हैं। इसके बाद लौह अयस्क और चारकोल को भट्टी में डाला जाता है, और एक मिट्टी के पाइप के माध्यम से हवा भट्टी में डाली जाती है।

धधकती भट्टियों में माना जाता है देवता 'लोहासुर' का वास असुर समुदाय को भारत सरकार की ओर से एक विशेष आदिम जनजाति के रूप में मान्यता प्राप्त है। वे मुख्य रूप से झारखंड में ही रहते हैं। उनका प्रमुख देवता 'लोहासुर' है, जिसका वास धधकती भट्टियों में माना जाता है।

वो अपने देवता को काली मुर्गी की बलि चढ़ाते हैं। साथ ही मार्गशीर्ष महीने में दशहरे के दिन और फाल्गुन महीने में अपने लोहा गलाने के उपकरणों की पूजा करते हैं। उनका मुख्य भोजन मोटा अनाज और विभिन्न प्रकार का मांस है।

असुरों की अपनी भाषा है, जिसे वे 'असुरी' कहते हैं। ये मुंडारी भाषा परिवार से संबंधित है। वे नागपुरी और हिंदी भी बोलते हैं। झारखंड में असुरों की आबादी लगभग 7,783 है।

कार रुकवाई, पत्नी को बेसुध कर पति को हत्या किया

खूंटी। अपनी पत्नी के साथ कार से जा रहे संदीप टोप्पो की हत्या कर दी गयी। गला रेत कर बेरहमी से उसे मौत के घाट उतार दिया गया। वहीं, पत्नी खुशबू कुमारी को बेसुध कर ओरमांझी में छोड़ दिया गया। मारा गया करीब 32 साल का संदीप कुमार राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र के सुंडिल गांव का रहने वाला था। इस कांड को खूंटी के कर्रा थाना क्षेत्र में अंजाम दिया गया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब संदीप कुमार की डेड बॉडी पर उधर से गुजर रहे कुछ लोगों की नजर पड़ी। पुलिस को सूचना दी गयी कि मसमानो पुल के पास खून से लथपथ एक शख्स की डेड बॉडी पड़ी है। वहीं, घटनास्थल पर एक कार खड़ी है। मिली इंफॉर्मेशन पर पुलिस स्पॉट पर पहुंची और डेड बॉडी को कब्जे में कर थाना ले गयी। पुलिस ने पहले शव की शिनाख्त करवाई। तफ्तीश के दरम्यान पता चला कि संदीप के साथ कार में एक औरत भी थी। उसके मोबाइल की मदद से पत्नी खुशबू कुमारी को ट्रेस किया गया। उसका लोकेशन ओरमांझी में मिला। पुलिस ने खुशबू कुमार को बुलाया। बुलावे पर खुशबू कुमारी पुलिस के पास पहुंची। पुलिस को उसने सारी कहानी बताई। पुलिस को दिये अपने बयान में खुशबू कुमारी ने बताया कि वह अपने पति संदीप के साथ मायके से वापस ससुराल लौट रही थी। खुशबू का मायके गुमला के कामडारा थाना क्षेत्र के कोनबीर के पिपरा टोली में है। वहीं, उसका ससुराल राजधानी रांची के रातू थाना क्षेत्र के सुंडिल गांव में है। लौटने के दरम्यान खूंटी में मसमानो पुल के पास दो बाइक पर पांच लोगों ने उनकी कार रुकवाई और पीने के वास्ते पानी मांगा। तभी बाइक सवार एक बदमाश ने कार में बैठी खुशबू को हौले से कुछ नशीली चीज सुंघा दिया। खुशबू बेहोश हो गयी। जब होश आया तो खुशबू ने खुद को ओरमांझी में पाया। इसके बाद उसने अपने घरवालों को पूरी वारदात की सूचना दी। इधर, कर्रा थाना की पुलिस और FSL की टीम तफ्तीश में जुट चुकी है। सर्किल इंस्पेक्टर अशोक सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। जल्द ही हत्यारे पुलिस की गिरफ्त में होंगे।

लापता

नाम विनीता सिंह उर्फ किट्टी
पति का नाम अमित कुमार सिंह, निवासी B-28, जे. पी. मार्केट, धुर्वा, राँची।
रंग गोरा, उम्र 34 वर्ष।
ये 11 फरवरी, 2025 को सुबह 10.00 बजे से लापता है। किसी भी प्रकार की जानकारी मिलने पर 9111201707 पर संपर्क करें।

जसाईडीह पलास जंगल में साईबर अपराधियों के विरूद्ध छापामारी

जामताड़ा। पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पु०नि० जयन्त तिर्की के नेतृत्व में पु०अ०नि० अभय कुमार, करमाटॉड थाना प्रभारी, साईबर थाना के पु०अ०नि० प्रकाश सेठ, पु०अ०नि० मनीष कुमार गुप्ता एव अन्य पुलिसकर्मीयों को शामिल करते हुए करमाटोड थानान्तर्गत ग्राम जसाईडीह पलास जंगल में साईबर अपराधियों के विरूद्ध छापामारी कर साईबर अपराध कारित करते हुए साईबर अपराधकर्मी - 1. मन्टु कुमार बल, उम्र 21 वर्ष 2. झन्टु कुमार बल, उम्र 27 वर्ष दोनों पिता सुभाष बल, ग्राम भरकट्टा 3. प्रमोद कुमार मंडल उम्र 35 वर्ष, पिता भागीरथ मंडल, ग्राम हेठ-करमाटॉड 4. प्रमोद राय, उम्र 32 वर्ष, पिता स्व० सुखदेव राय, ग्राम भरकट्टा 5. मन्टु पंडित, उम्र 33 वर्ष, पिता हरसु पंडित, ग्राम सिकरपोसनी पाँचों थाना करमाटॉड 6. समर महतो, उम्र 31 वर्ष, पिता स्व० रामप्रसाद महतो, ग्राम एकतारा, थाना नारायणपुर सभी जिला जामताड़ा को फर्जी मोबाईल, सिम, ए०टी०एम० कार्ड, आधार कार्ड के साथ पकडा गया। जामताड़ा साईबर अपराध थाना कांड संख्या 14/25, दिनांक- 18.02.2025, धारा 111(2)()/317(2)/317(4)/318(4)/319(2)/336(3)/338/340(2)/3(5) ..S 2023

अब फैक्ट्रियों में महिलाएं शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक कर सकेंगी काम

रांची राज्य की फैक्ट्रियों में अपनी सहमति से महिला कर्मचारी शाम सात बजे से सुबह छह बजे तक काम कर सकेंगी। मंगलवार को कैबिनेट ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के अंतर्गत कारखाना संशोधन विधेयक को मंजूरी दी। संशोधन से राज्य में उद्योगों की स्थापना और संचालन सरल होगा। इससे निवेशकों को अधिक सुविधा मिलेगी और औद्योगीकरण को बढ़ावा मिलेगा। कैबिनेट के अपर सचिव राजीव रंजन ने बताया कि मंत्रिपरिषद ने 12 प्रस्तावों को स्वीकृति दी। कारखाना संशोधन विधेयक अब विधानसभा में लाया जाएगा। झारखंड सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम इकाई (एमएसएमई) विशेष छूट विधेयक -2025 के गठन की भी स्वीकृति दी गई। छठे केंद्रीय वेतनमान के अंतर्गत आने वाले राज्यकर्मियों और पेंशनधारियों को 1 जुलाई 2024 के प्रभाव से 239 की जगह 246% महंगाई भत्ता मिलेगा। डीए में सात प्रतिशत की वृद्धि की गई है। पंचम वेतनमान पाने वाले कर्मियों को 443 से बढ़ाकर 455% महंगाई भत्ता मिलेगा। डीए में 12% की वृद्धि की गई है।

कैबिनेट के अन्य फैसले

झारखंड आंगनबाड़ी सेविका सहायिका नियमावली में संशोधन की स्वीकृति पेयजल विभाग के सात लोगों की सेवा नियमितिकरण की स्वीकृति बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम और बीएसइडीईएल के बकाया भुगतान के लिए 1,27,42,895 रुपए की स्वीकृति

प्रधानमंत्री के हर्षिल-मुखवा दौरे की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट -विपुल पाण्डेय

हर्षिल/उत्तरकाशी, 18 फरवरी 2025: उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन को प्रोत्साहित करने और क्षेत्र के आध्यात्मिक व सांस्कृतिक महत्व को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रस्तावित हर्षिल-मुखवा दौरे की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। इस ऐतिहासिक अवसर को भव्य रूप देने के लिए शासन-प्रशासन युद्धस्तर पर कार्य कर रहा है और सभी व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण, उच्चाधिकारियों की बैठक सचिव मुख्यमंत्री एवं गढ़वाल मंडलायुक्त विनय शंकर पांडेय ने सचिव प्रोटोकॉल श्री विनोद कुमार सुमन, आईजी गढ़वाल मंडल श्री राजीव स्वरूप, जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट, और पुलिस अधीक्षक श्रीमती सरिता डोभाल सहित अन्य अधिकारियों के साथ हर्षिल से मुखवा तक चल रही तैयारियों का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के स्वागत से लेकर प्रस्थान तक की व्यवस्थाओं को त्रुटिहीन और भव्य बनाने के निर्देश दिए गए। पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रमों को शामिल करने का निर्णय लिया गया।

हर्षिल में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की मुख्य तैयारियां गंगा मंदिर (मुखवा) में दर्शन-पूजन और हर्षिल में प्रस्तावित कार्यक्रम का दूरदर्शन के माध्यम से लाइव प्रसारण। सीटिंग प्लान, यातायात प्रबंधन, पार्किंग व्यवस्था, बिजली, पानी और सफाई व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश।

उत्तराखंड के स्थानीय उत्पादों और शिल्प कला की प्रदर्शनी का आयोजन। **हेलीपैड और पार्किंग सुविधाओं का निर्माण पूरा** बीस दिन में बगोरी हेलीपैड को सड़क से जोड़ा गया, जिससे सेना और नागरिक प्रशासन को सहूलियत मिलेगी। मुखवा में 120 वाहनों की क्षमता वाली पार्किंग का निर्माण। मंदिर परिसर तक नया पैदल मार्ग और सीढ़ियों की मरम्मत, जिससे श्रद्धालुओं का आवागमन आसान होगा। सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स पर विशेष ध्यान आईजी गढ़वाल मंडल श्री राजीव स्वरूप ने सुरक्षा व्यवस्था, मूवमेंट और यातायात प्रबंधन की समीक्षा की। स्मार्ट टॉयलेट्स, हाईमास्ट सोलर लाइट्स और ट्रांसफार्मर क्षमता बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए गए। पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए 5 किमी लंबी नई पाइपलाइन बिछाई गई। साहसिक पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा, अनछुए गंतव्यों पर फ्लैग-ऑफ होंगे अभियान

प्रधानमंत्री के दौरे के दौरान, नेलांग, जादुंग, सोनम और पीडीए घाटी में साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई रोमांचक अभियान फ्लैग-ऑफ किए जाएंगे। भारतीय सेना द्वारा हर्षिल से पीडीए मोटरबाइक-एटीवी-आरटीवी रैली उत्तराखंड टूरिज्म डेवेलपमेंट बोर्ड (UTDB) के तत्वावधान में हर्षिल से जादुंग तक मोटरबाइक रैली आईटीबीपी द्वारा नीलापानी से मुलिंग ला बेस तक ट्रैकिंग अभियान निम (NIM) द्वारा जादुंग से जनकताल तक ट्रैकिंग अभियान

प्रधानमंत्री मोदी का यह दौरा उत्तराखंड में शीतकालीन पर्यटन और धार्मिक पर्यटन को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। प्रशासनिक तैयारियों के साथ-साथ पर्यावरणीय, सांस्कृतिक और साहसिक पर्यटन पहलुओं को भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। अब सभी की नजरें प्रधानमंत्री के इस ऐतिहासिक दौरे पर टिकी हैं, जो उत्तराखंड के पर्यटन और विकास के नए युग की शुरुआत करेगा।

HRDA की भगवानपुर और गणेशपुर में अवैध निर्माण पर बड़ी कार्रवाई

ब्यूरो रिपोर्ट -विपुल पाण्डेय

हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (HRDA) ने संयुक्त सचिव एवं जॉइंट मजिस्ट्रेट, रुड़की श्री आशीष कुमार मिश्रा के निर्देशानुसार भगवानपुर तहसील क्षेत्र के सिसोना इलाके में 4 बीघा में फैली दो अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त किया।

यह कॉलोनियां श्री सचिन गुप्ता, श्रीमती पूजा गुप्ता और श्री ब्राह्मण द्वारा बिना प्राधिकरण की स्वीकृति के विकसित की जा रही थीं। प्राधिकरण व उपजिलाधिकारी भगवानपुर की प्रशासनिक टीम ने संयुक्त रूप से अवैध निर्माण और विकास कार्यों को ध्वस्त किया। भविष्य में बिना स्वीकृति कोई भी निर्माण कार्य न करने की सख्त चेतावनी दी गई।

गणेशपुर में अनधिकृत निर्माण पर कार्रवाई

गणेश मंदिर, गणेशपुर (तहसील रुड़की, जिला हरिद्वार) में विपक्षी श्री प्रदीप द्वारा अनधिकृत निर्माण किया जा रहा था। प्राधिकरण ने बार-बार निर्माण कार्य रुकवाने के बावजूद, नियमों की अवहेलना किए जाने पर सख्त कदम उठाया। संयुक्त सचिव के आदेश पर HRDA टीम (शाखा कार्यालय रुड़की) ने निर्माण को सील कर दिया।

प्राधिकरण की सख्त चेतावनी

बिना स्वीकृति निर्माण कार्य करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी। अवैध कॉलोनियों को बसाने और गैरकानूनी विकास कार्यों पर रोक लगाने के लिए सख्ती बरती जाएगी। किसी भी प्रकार के निर्माण से पहले हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण से अनुमोदन लेना अनिवार्य होगा।

HRDA का संदेश हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण नियमित रूप से अवैध निर्माणों की जांच कर रहा है और बिना स्वीकृति किए गए निर्माणों पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई भी अवैध निर्माण की जानकारी हो, तो तुरंत प्रशासन को सूचित करें।

सभी निवासियों से अपील की जाती है कि किसी भी निर्माण से पहले प्राधिकरण की स्वीकृति प्राप्त करें। इस सख्त कार्रवाई से साफ संकेत है कि अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति निर्माण कार्यों के खिलाफ प्रशासन किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगा।

उत्तराखंड में UCC पर कांग्रेस का विरोध, विधानसभा घेराव का ऐलान

ब्यूरो रिपोर्ट -विपुल पाण्डेय देहरादून, उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस ने *यूनिफॉर्म सिविल कोड (UCC) में लिव-इन रिलेशनशिप* से जुड़े प्रावधानों का कड़ा विरोध करते हुए इसे **राज्य की संस्कृति और गरिमा के खिलाफ बताया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष करन माहरा ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालयमें आयोजित पत्रकार वार्ता में इस मुद्दे को उठाया और 20 फरवरी को विधानसभा घेराव करने का ऐलान किया।

कांग्रेस का विरोधः मुख्य बिंदु कांग्रेस पार्टी UCC में लिव-इन रिलेशनशिप के प्रावधानों का कड़ा विरोध करती है। 20 फरवरी को विधानसभा घेराव** कर सरकार को चेतावनी दी जाएगी। *जनता की राय जुटाने के लिए दो महीने का अभियान, जिसके अंतर्गत **ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों* से जनता की प्रतिक्रिया एकत्र कर *राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा जाएगा*। कांग्रेस ने *https://bit.ly/4hF3mUR* लिंक जारी कर *जनता से इस मुद्दे पर राय मांगी है।* ## *"UCC उत्तराखंड की संस्कृति के खिलाफ" – करन माहरा* प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष *श्री करन माहरा* ने कहाः » "UCC के माध्यम से बाहरी लोगों को एक साल में उत्तराखंड का निवासी बनाने की साजिश हो रही है। यह समाज में व्यभिचार फैलाने का प्रयास है।" उन्होंने बीजेपी पर हमला बोलते हुए कहा कि *जो पार्टी खुद को धर्म रक्षक बताती है, उसी की सरकार यह प्रावधान लागू कर रही है।* उन्होंने यह भी कहा कि *अनुच्छेद 44 और UCC के लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े प्रावधानों पर बीजेपी के किसी भी प्रवक्ता ने अब तक कोई ठोस जवाब नहीं दिया है।* *महिला कांग्रेस का विरोध* प्रदेश महिला कांग्रेस अध्यक्ष *ज्योति रौतेला* ने कहा कि *UCC का लिव-इन रिलेशन प्रावधान महिलाओं के लिए हानिकारक* है और *महिला कांग्रेस कार्यकर्ता 20 फरवरी को भारी संख्या में विधानसभा की ओर कूच करेंगी।* प्रदेश प्रवक्ता *सुजाता पॉल* ने कहाः » "महिलाओं के बलिदान से बने राज्य में बीजेपी सरकार द्वारा लागू UCC महिलाओं के उत्पीड़न का जरिया बनेगा।"

UCC पर वरिष्ठ अधिवक्ताओं की राय वरिष्ठ अधिवक्ता *वीरेंद्र सिंह खुराना* ने कहा कि *UCC उत्तराखंड की प्राथमिकता नहीं है और यह कानून सिर्फ बुनियादी समस्याओं से ध्यान भटकाने का प्रयास है।*

*राज्यपाल का अभिभाषण विकसित उत्तराखंड की संकल्पपूर्ति का दस्तावेजः महेंद्र भट्ट

ब्यूरो रिपोर्ट -विपुल पाण्डेय

धामी सरकार में ऐतिहासिक विकास कार्य और जनकल्याण योजनाएं उत्तराखंड को स्वर्णिम युग की ओर ले जा रही हैं

देहरादून, 18 फरवरी 2025: भाजपा ने *राज्यपाल के अभिभाषण का स्वागत* करते हुए इसे *विकसित उत्तराखंड के संकल्पपूर्ति का दस्तावेज* करार दिया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष *महेंद्र भट्ट* ने कहा कि *मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य ऐतिहासिक विकास कार्यों और जनकल्याण योजनाओं के स्वर्णिम युग में आगे बढ़ रहा है।* *राज्यपाल के अभिभाषण की मुख्य बातें* *विकसित उत्तराखंड 2025* की दिशा में सरकार की प्राथमिकताएं स्पष्ट। *महिला सशक्तिकरण, युवा कल्याण और पूर्व सैनिकों के लिए नई योजनाएं।* *प्रदेश की आर्थिक समृद्धि, सामाजिक न्याय और अवस्थापना विकास पर जोर।* *समग्र विकास के लिए समर्पित सरकार, सभी वर्गों को लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता।*

विपक्ष के हंगामे पर भाजपा का पलटवार *महेंद्र भट्ट* ने *विपक्ष के हंगामे को दुर्भाग्यपूर्ण* बताते हुए कहा कि यह *सत्र को बाधित करने की नकारात्मक मंशा* को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि *कांग्रेस पूरी तरह मुद्दाविहीन और विचारशून्य* हो चुकी है। "जिन मुद्दों पर कांग्रेस हंगामा कर रही थी, उन पर चर्चा के लिए सदन से बेहतर कोई मंच नहीं हो सकता। लेकिन उनकी रणनीति सिर्फ हंगामा करने और मीडिया में दिखने की थी।" *सड़क पर जनता के लिए संघर्ष करने के बजाय कांग्रेस के नेता सिर्फ प्रेस कॉन्फ्रेंस तक सीमित रहते हैं।

***जब सदन में जनहित के मुद्दे** उठाने का समय आता है, तो कांग्रेस विधायकों का ध्यान सिर्फ हंगामा करने पर होता है।* *प्रदेश की जनता कांग्रेस के इन नकारात्मक तौर-तरीकों से भली-भांति परिचित है।* भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने *उत्तराखंड विधानसभा के डिजिटल होने* पर प्रदेशवासियों को बधाई दी। - *डिजिटलीकरण से विधायी कार्यों में पारदर्शिता और गति आएगी। सरकार और जनता के बीच बेहतर संवाद स्थापित होगा।* भाजपा ने स्पष्ट किया कि *धामी सरकार विकास के एजेंडे पर काम कर रही है* और *उत्तराखंड को समृद्ध, शक्तिशाली और आत्मनिर्भर राज्य* बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। *विपक्ष के हंगामे के बावजूद सरकार अपने संकल्पों को पूरा करने के लिए आगे बढ़ती रहेगी।*

कमाने दिल्ली गया, परिवार वाले समझे मर गयाःजूता खरीदने का पैसा नहीं था, कैटरीना से लेकर हर सितारा शू का फैन

पटना घर की गरीबी देखकर बिना पैसे के 13 साल की उम्र में दिल्ली भागा। 50 रुपए हफ्ते और दो टाइम भोजन पर नौकरी की। हीरो-हीरोइनों से मिलने के शौक ने दिल्ली पहुंचा दिया। डांस क्लास के लिए जूते नहीं थे, तो जूता बनाने लगा। आज उनके बनाए डांसिंग शू पर बॉलीवुड स्टार थिरक रहे हैं।

इस बार 'मैं बिहारी' में कहानी दरभंगा के जमील शाह की, जिन्होंने धूम-3 फिल्म में कैटरीना कैफ के लिए डांसिंग बूट बनाए। जमील शाह शू मेकर हैं, जिन्होंने डांस के सपने को डांसिंग शू में बदल दिया। वह आज सबसे सस्ते डांसिंग शू बनाते हैं। उन्होंने कटरीना कैफ को 2.5 लाख रुपए में मिलने वाले डांसिंग शू को 20 हजार रुपए में तैयार करके दिया।

'जन्म दरभंगा के डोगरा गांव में हुआ था। 8 भाई-बहनों में सबसे बड़ा था। पिता खेतिहर मजदूर थे, जो परिवार का पेट भरने के लिए लगभग 12 घंटे काम करते थे। मन में पढ़ लिखकर कुछ बड़ा करने की इच्छा थी, मगर किस्मत में शायद वह नहीं था। पिता के साथ खुद खेती में हेल्प करने लगा।'

'पढ़ाई करने का बहुत शौक था, लेकिन गरीबी के कारण अच्छे स्कूल नहीं जा सका। मदरसे में दाखिला लेना पड़ा। वहां 5वीं तक पढ़ाई की। मुझे याद है वह दिन जब मेरा एग्जाम था और पेन की रिफिल खत्म हो गई थी। मैंने अपने पिता से इसके लिए पैसे मांगे। उनके पास नहीं थे। मुझे तब बहुत रोना आया था। तब दोस्त से पेन की रिफिल उधार लेकर एग्जाम दी थी। इसके अलावा मैंने अपने रिश्तेदारों की किताबों से थोड़ी बहुत इंग्लिश-हिंदी पढ़ा।'

जमील ने फैक्ट्री खोली और 'मेड इन इंडिया' के साथ जूतों की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की। साल में करीब 2 हजार डांसिंग शू का प्रोडक्शन करते हैं। जमील ने फैक्ट्री खोली और 'मेड इन इंडिया' के साथ जूतों की मैन्युफैक्चरिंग शुरू की। साल में करीब 2 हजार डांसिंग शू का प्रोडक्शन करते हैं।

मुखिया जी देते थे कपड़ा, तब मनती थी ईद 'मैंने गांव में देखा दिल्ली, मुंबई, कोलकाता से आने वाले लोगों के खाने, अच्छे से कपड़े पहनने का स्टाइल काफी अलग रहता है। मुझे काफी पसंद आता था। तब मन में सोचता था कि मैं इस तरह के कपड़े कब पहनूंगा। ऐसा इसलिए क्योंकि मैं दूसरों के दिए हुए कपड़े पहनता था।' 'घर के पास एक मुखिया रहते थे। पिता उनके यहां काम करते थे। वह हमें ईद में कपड़े देते थे। मुझे उसी में बहुत खुशी मिलती थी। ईद हमारे लिए बहुत बड़ा त्योहार है। अगर वह मुखिया हमें ईद में कपड़े नहीं देते तो हम ईद नहीं मना सकते थे, क्योंकि पिता जी के पास दो जोड़ी कपड़ों के लिए भी पैसे नहीं हो पाते थे।' **ट्रेन का टिकट खरीदने का पैसा नहीं था, बिना टिकट के दिल्ली पहुंचा** घर की गरीबी देखकर मैंने जिद किया कि अब कुछ करना चाहिए। एक बार गांव का एक आदमी दिल्ली जा रहा है। 13 साल की उम्र में मैं उसके पीछे-पीछे लग गया। मैंने कुछ पैसे भी नहीं लिए थे और खाली जेब ट्रेन में बैठ गया। टिकट नहीं होने पर पुलिस वाले ने मुझे पकड़कर दो-तीन डंडे भी मारे, मगर मैं उनके पैरों में गिर गया और हाथ पैर जोड़ने लगा। फिर मैं किसी तरह दिल्ली पहुंच गया। 'उस आदमी को नहीं पता था कि मैं उसका पीछा कर रहा हूं। जब वह अपने घर जाने लगा तो मैंने उसे टोका। वह हैरान रह गया। फिर उसने खाना दिया। उसे भी समझ नहीं आ रहा था कि वह मेरा क्या करे। हमने बोला कि मैं यहां कुछ काम देखता हूं। फिर बैग्स-वॉलेट की फैक्ट्री में काम करने लगा। वहां मुझे हफ्ते के 50 रुपए और रोज खाना मिलता था।' कुछ दिन बाद मेरे मन में दिल्ली घूमने की इच्छा जागी। फैक्ट्री के दोस्तों के साथ कनॉट प्लेस गया और वहां मेरी नजर बड़ी-बड़ी होर्डिंग्स पर लगी बॉलीवुड स्टार्स की फोटो पर पड़ी।

तहसील दिवस का आयोजन, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह ने सुनी जन समस्याएं

ब्यूरो रिपोर्ट -विपुल पाण्डेय

हरिद्वार, 18 फरवरी 2025: जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में हरिद्वार की विभिन्न तहसीलों में लगातार तहसील दिवसों का आयोजन किया जा रहा है। इन कार्यक्रमों में डीएम स्वयं उपस्थित होकर जनता की समस्याएं सुन रहे हैं और मौके पर ही उनका समाधान करा रहे हैं, जिससे नागरिकों को बड़ी राहत मिल रही है।

रुड़की तहसील दिवसः 34 शिकायतों का समाधान

आज रुड़की तहसील में आयोजित तहसील दिवस में 34 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनका जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल निर्देश देकर समाधान कराया। पेंडिंग मामलों की भी समीक्षा की गई और उनके शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु तत्पर रहने को कहा।

तहसील दिवसः जनता के लिए राहत की पहल हरिद्वार जिले की सभी तहसीलों में नियमित रूप से तहसील दिवस आयोजित किए जा रहे हैं। डीएम स्वयं जन सुनवाई कर समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित कर रहे हैं। स्थानीय प्रशासन की जवाबदेही बढ़ी है, जिससे लोगों को त्वरित न्याय मिल रहा है।

जिलाधिकारी का निर्देश

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि जनता की शिकायतों को प्राथमिकता से हल किया जाए। पुराने लंबित मामलों को जल्द निस्तारित करने पर विशेष जोर दिया गया। जन समस्याओं के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की चेतावनी दी गई।

जनता को मिल रही बड़ी राहत तहसील दिवसों के आयोजन से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के नागरिकों को अपनी समस्याएं सीधे जिलाधिकारी के समक्ष रखने का अवसर मिल रहा है। मौके पर ही समस्याओं का समाधान होने से लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर नहीं लगाने पड़ रहे हैं। हरिद्वार जिले में डीएम कर्मेन्द्र सिंह के नेतृत्व में तहसील दिवस जनता के लिए एक सशक्त मंच बन रहा है, जहां वे अपनी समस्याओं का त्वरित समाधान पा रहे हैं। इस पहल से प्रशासन और जनता के बीच की दूरी कम हो रही है, जिससे सुशासन को बढ़ावा मिल रहा है।

ट्रंप जो चाहते थे वह सब नरेंद्र मोदी से हासिल किया

>> विचार

"मई 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने एक फैसले में उपराज्यपाल की शक्तियों को खत्म कर दिया और कहा कि दिल्ली सरकार के पास सार्वजनिक व्यवस्था, पुलिस और भूमि के विभागों को छोड़कर प्रशासनिक सेवाओं पर नियंत्रण है। केंद्रीय गृह मंत्री इस फैसले को स्वीकार नहीं कर सके और तुरंत एक अध्यादेश लाया गया जिसमें सेवाओं को उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। इसके बाद इसे दिल्ली एनसीटी अधिनियम के संशोधन के रूप में शामिल किया गया। इस पूरी अवधि के दौरान, एक तमाशा सामने आया जिसमें नौकरशाह न केवल मंत्रियों की बात अनसुनी करते थे, बल्कि अक्सर मंत्रियों द्वारा दिये गये निर्देशों के खिलाफ काम करते थे। उपराज्यपाल और वरिष्ठ नौकरशाहों ने मंत्रियों के खिलाफ आरोप तय करने में मिलीभगत की।

टी एन अशोक

इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे – भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस समय भू–राजनीतिक स्थिति तेजी से बदल रही है और कई देशों में नये नेता सत्ता संभाल रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ मोदी की निर्धारित बैठक से अमेरिका के लिए उनके व्यापार विस्तार के मामले में सकारात्मक परिणाम सामने आये, लेकिन भारत के लिए सटीक लाभ का आकलन अभी किया जाना बाकी है। हालांकि एक बात स्पष्ट है। ट्रंप आप्रवासियों पर अपनी नीति पर अड़े रहे और मोदी ने इस पर सहमति जतायी। भारतीय प्रधानमंत्री ने ट्रंप की प्रशंसा की, जबकि अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा लगाये जाने वाले भारी 'पारस्परिक' टैरिफ से बचने की कोशिश की। ट्रंप और मोदी के रिश्ते को कुछ मीडिया आउटलेट्स में 'भाईचारा' करार दिया गया है – और गुरुवार की बैठक के दौरान यह आत्मीयता जोरदार तरीके से उबलती रही। दोनों नेताओं ने एक–दूसरे की प्रशंसा की, जबकि सार्वजनिक रूप से चर्चा के अधिक चुभने वाले बिंदुओं को दरकिनार कर दिया। उनमें से मुख्य था ट्रंप द्वारा हाल ही में घोषित 'पारस्परिक टैरिफ' का सवाल, जिसमें उन्होंने अमेरिकी वस्तुओं पर विदेशी आयात करों का जवाब प्रत्येक देश द्वारा लगाये जाने वाले दरों के बराबर देने का प्रस्ताव रखा है। दोनों दक्षिणपंथी नेताओं, मोदी और ट्रम्प, पर अपने देशों में लोकतांत्रिक पतन के आरोप लगे हैं। दोनों नेताओं ने हाल ही में अपने–अपने देशों में फिर से चुनाव भी जीता है: मोदी ने पिछले साल जून में और ट्रम्प ने पिछले नवंबर में। गुरुवार को उनके

अधिकांश सार्वजनिक प्रदर्शन एक–दूसरे के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए समर्पित थे, जिसमें ट्रम्प ने मोदी की 'महान नेता' के रूप में सराहना की और मोदी ने ट्रम्प को 'मित्र' कहा। गुरुवार को मोदी अपने खुद के प्रस्तावों के साथ पहुंचे, जो ट्रम्प द्वारा भारत के खिलाफ उठाये जाने वाले किसी भी आर्थिक कदम से निपटने के लिए तैयार किये गये थे। दोनों नेता अपनी बंद कमरे की बैठक से अंतरिक्ष यात्रा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ऊर्जा उत्पादन पर साझेदारी सहित अपने देशों के बीच व्यापार बढ़ाने के समझौते के साथ बाहर आये। ट्रंप ने कहा, 'प्रधानमंत्री और मैं ऊर्जा पर एक महत्वपूर्ण समझौते पर भी पहुंचे हैं, जो संयुक्त राज्य अमेरिका को भारत के लिए तेल और गैस के प्रमुख आपूर्तिकर्ता के रूप में पुनर्स्थापित करेगा। उम्मीद है कि यह उनका नंबर–एक आपूर्तिकर्ता होगा।' अमेरिकी राष्ट्रपति ने चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव के समान एक अंतरराष्ट्रीय बुनियादी ढांचे का भी जिक्र किया,जो दुनिया भर के सहयोगियों को जोड़ेगा। ट्रंप ने बताया, 'हम इतिहास के सबसे महान व्यापार मार्गों में से एक के निर्माण में मदद करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमत हुए हैं। यह भारत से इजरायल, इटली और आगे संयुक्त राज्य अमेरिका तक जायेगा, जो हमारे भागीदारों को बंदरगाहों, रेलवे और अंडरसीकेबल्स से जोड़ेगा। दोनों नेताओं ने अपने नागरिकों को अधिक समृद्ध, राष्ट्रों को अधिक मजबूत, अर्थव्यवस्थाओं को अधिक नवीन और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक लचीला बनाने के लिए व्यापार और निवेश का विस्तार करने का संकल्प लिया। उन्होंने निष्पक्षता, राष्ट्रीय सुरक्षा और रोजगार सृजन सुनिश्चित करने वाले विकास को बढ़ावा देने के लिए अमेरिका–भारत व्यापार संबंधों को गहरा करने का संकल्प लिया। इस उद्देश्य से, नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार के लिए एक साहसिक नया लक्ष्य निर्धारित किया– 'मिशन 500' – जिसका लक्ष्य 2030 तक कुल द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना से अधिक करके 500 अरब डॉलर करना है। दोनों नेताओं ने बेहतर वैश्विक ऊर्जा मूल्य सुनिश्चित करने और अपने नागरिकों के लिए सस्ती और विश्वसनीय ऊर्जा पहुंच सुनिश्चित करने के लिए हाइड्रोकार्बन के उत्पादन को बढ़ाने के महत्व को रेखांकित किया। नेताओं ने संकट के दौरान आर्थिक स्थिरता को बनाये रखने के लिए रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार के महत्व को भी रेखांकित किया और रणनीतिक तेल भंडार व्यवस्था का विस्तार करने के लिए प्रमुख भागीदारों के साथ काम करने का संकल्प लिया। इस संदर्भ में, अमेरिकी पक्ष ने भारत को अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी में पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल होने के लिए अपने दृढ़ समर्थन की पुष्टि की। कुल मिलाकर परिणाम यह है कि ट्रम्प को वह मिल गया जो वह चाहते थे – भारत को रक्षा उपकरण और तेल और ऊर्जा उत्पादों के अमेरिकी निर्यात में एक बड़ा हिस्सा, जिससे उन क्षेत्रों में भारत को रूस का निर्यात कम हो जायेगा। जहां तक एच–1बी वीजा पर भारत के दबाव वाले मुद्दों का सवाल है, ऐसा लगता है कि भारतीय प्रधानमंत्री को कोई रियायत नहीं मिली। अमेरिका में अवैध भारतीय प्रवासियों के संबंध में, नरेंद्र मोदी उन्हें वापस लेने के लिए सहमत हुए। कोई राहत नहीं मिली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के लिए यह एकतरफा रास्ता था, और स्वाभाविक रूप से उन्होंने द्विपक्षीय वार्ता और संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारतीय प्रधानमंत्री की जमकर प्रशंसा की।

संपादकीय

सोशल मीडिया की जवाबदेही तय हो

दरअसल, सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्मों पर लाइक और फॉलोअर्स बढ़ाने के लिये तमाम फूहड़ व तल्खीभरे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जाता है, ताकि इससे यूट्यूबरों की आय बढ़ सके। बदलते वक्त की विडंबना यह है कि धीर–गंभीर व उपयोगी कार्यक्रमों को दर्शकों का वह प्रतिसाद नहीं मिलता, जो ऊल–जलूल कार्यक्रमों को मिलता है। इन कार्यक्रमों के ज्यादा देखे जाने से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का विज्ञापन भी बढ़ता है। इसी होड़ में अमर्यादित और विवादास्पद कार्यक्रमों की शृंखला का जन्म होता है। ऐसे में सवाल उठाया जा रहा है कि क्या सोशल मीडिया नियमन को लेकर बने कानून इस अराजकता पर अंकुश लगाने में सक्षम हैं? क्या इलेक्ट्रानिक माध्यमों के जरिये प्रसारित सामग्री पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम को सख्त बनाने की जरूरत है? क्या अश्लील अभिव्यक्ति को दंडनीय बनाने के लिये सख्त कानूनों की जरूरत है? सवाल यह भी है कि हंसी मजाक के कार्यक्रमों के लिये सामाजिक मर्यादाओं की सीमा कैसे तय की जाए? जाहिर है अब वक्त आ गया है कि मनोरंजक हास्य कार्यक्रमों और आपत्तिजनक कंटेंट के बीच सीमा का निर्धारण किया जाए। निस्संदेह, किसी लोकतांत्रिक देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता अपरिहार्य शर्त है, लेकिन इसका अर्थ यह कदापि नहीं है कि हम तमाम सामाजिक व पारिवारिक मर्यादाओं को ताक पर रख दें। किसी भी सूरत में सोशल मीडिया को एंटी सोशल अभिव्यक्ति की आजादी नहीं दी जा सकती। निस्संदेह, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को कंटेंट के बाबत जवाबदेह बनाने की जरूरत है। इसके संचालकों को चाहिए कि रचनात्मक स्वतंत्रता के नाम पर सार्वजनिक शिष्टाचार का अतिक्रमण न करें।

मुफ्त की कल्याणकारी योजनाएं स्वावलंबन दें

एस.वाई. कुरैशी

हरेक चुनाव से पहले राजनीतिक दलों में जनकल्याण के नाम पर लोकलुभावन घोषणाएं करने की होड़ मचती है। मतदाताओं को मुफ्त चीजों के लालच देकर प्रभावित करने की कोशिशें होती हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणी अहम है कि यह प्रवृत्ति श्रम से बचने और निर्भरता को बढ़ाती है। दरअसल, कल्याण कार्यक्रम नागरिकों का अधिकार हैं लेकिन इनकी रूपरेखा ऐसी हो कि ये लोगों को सशक्त बनाएं। चुनावी मौसम में, भारतीय मतदाता पर विभिन्न राजनीतिक दलों की तरफ से वादों की झड़ी लग जाती है। राजनेताओं को अचानक आम आदमी और उसको सता रही चिंताओं की याद आने लगती है। शहरी गरीब, बेरोजगार युवा, अल्पसंख्यक, झुग्गी–झोपड़ी में रहने वाली जनता और आदिवासी झ जिन्हें पांच सालों में अधिकतर समय उपेक्षित रखा जाता है– अचानक महत्वपूर्ण होकर, भावुक चर्चाओं के केंद्र में आ जाते हैं। यह एक भव्य तमाशा है, वादों का एक ऐसा नाटक, जिसमें नकदी के अलावा मुफ्त बिजली, भोजन और टीवी, साइकिल और लैपटॉप जैसे भौतिक साधन राजनीतिक मनुहार का माध्यम बन जाते हैं।

हाल के दिनों में, हमारे राजनीतिक शब्दकोश में एक नया शब्द शामिल हुआ है: 'रेवड़ी संस्कृति'। प्रधानमंत्री द्वारा मुफ्त की इस तथाकथित संस्कृति की आलोचना ने एक नई बहस को जन्म दिया है, जिसमें कल्याणकारी उपायों की वैधता पर सवाल उठाते हुए पूछा जा रहा है कि क्या ये व्यवहार्य हैं या सिर्फ उदारता के वेष में राजकोषीय गैर–जिम्मेदाराना कृत्य हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने भी अब इस मामले में दखलअंदाजी करते हुए चिंता व्यक्त की है कि अत्यधिक अनुदान लोगों को निष्क्रिय बना रहे हैं। हाल ही में एक खंडपीठ ने टिप्पणी की कि मुफ्त का राशन लोगों को काम से बचने वाला बना सकता है, और

ऐसी नीतियां एक परजीवी वर्ग पैदा कर सकती हैं। हाल ही में संपन्न दिल्ली चुनावों में, सभी प्रमुख दलों ने मुफ्त उपहार देने में एक–दूसरे के साथ होड़ लगाई थी झ महिलाओं और युवाओं को मासिक नकद सब्सिडी के अलावा मुफ्त बिजली, पानी, यात्रा, चिकित्सा–उपचार और शिक्षा इत्यादि। कोई आश्चर्य नहीं कि सुप्रीम कोर्ट ने कड़े शब्दों में जो प्रतिक्रिया व्यक्त की है,विचार करने लायक है।

बहस का सार व्यापक है : क्या ये मुफ्त चीजें गरीबों के कल्याण के लिए जरूरी हैं या चुनावी लाभ पाने को सियासी दलों की जरूरत भर हैं? एक और मुद्दा : अगर वादा गरीबों के लिए हो, तो इसे 'मुफ्त रेवड़ी' ठहराया जाता है, और जब अमीरों के लिए हो, तो प्रोत्साहन बताया जाता है। इस बहस में, अर्थव्यवस्था पर ध्यान कहीं पीछे छूट जाता है। भारत में मुफ्त तोहफे मोटे तौर पर दो श्रेणियों में आते हैं : वह जो चुनाव घोषणा से पहले दिए जाते हैं या वे जिनका वादा आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किया जाता है। पहले प्रकार वाले सत्तारूढ़ पार्टी द्वारा लिए गए नीतिगत निर्णय होते हैं– सब्सिडीज़, मूल्य कटौती, नई कल्याणकारी योजनाएं जो आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले, सुविधाजनक समय पर लागू किए जाते हैं। दूसरी श्रेणी वाले वह हैं, जो पार्टी के घोषणापत्रों के माध्यम से पेश किए जाते हैं– राजकोषीय परिणामों की परवाह किए बिना बड़े–बड़े वादे। चाहे इसके लिए मुफ्त का भोजन, परिवहन, खातों में नकदी का वादा किया जाए, घोषणापत्र चुनाव आयोग की जांच को आकर्षित नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने 2013 के एक मामले में फैसला सुनाया था कि ऐसे वादे जनप्रतिनिधित्व कानून के तहत 'भ्रष्ट आचरण' नहीं कहे जा सकते, भले ही वे निर्विवाद रूप से स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनावों की जड़ें हिलाने वाले हों'। अदालत ने चुनाव आयोग को राजनीतिक दलों के परामर्श से दिशा–निर्देश तैयार करने का निर्देश दिया था। ये निर्देश वास्तव में जवाबदेह चुनाव प्रचार को बढ़ावा देने और यह सुनिश्चित करने के लिए 2013 में जारी किए गए थे कि घोषणापत्रों में किए गए वादे यथार्थवादी हों और मतदाताओं को अनुचित प्रभावित न करें। हालांकि, जो हम देखते हैं वह उल्लंघन है, यहां तक कि लाखों करोड़ रु बांटे जाते हैं। यह मतदाताओं को रिश्वत नहीं, तो और क्या है? और यह पैसा आता कहां से है? जाहिर है आपकी और मेरी जेब से। राजनेता हमारी जेबें खाली कर चुनाव जीतते हैं! मुफ्त की रेवड़ियों पर बहस में दोगलापन साफ दिखता है। जब प्रावधान गरीबों के लिए होंझ जैसे राशन योजना, मुफ्त बिजली, सामाजिक कल्याण लाभ झ इनको रेवड़ी बता प्रचारित किया जाता है, जबकि कॉर्पोरेट अभिजात्य वर्ग को बहुत बड़े पैमाने पर दी टैक्स कटौती को राष्ट्र की प्रगति के लिए जरूरी वित्तीय 'प्रोत्साहन' बताया जाता है। आंकड़े इस तर्क का समर्थन करते हैं। वर्ष 2019 में, सरकार ने घरेलू निर्माताओं के लिए कॉर्पोरेट कर की दर को 30 प्रतिशत से घटाकर 22 प्रतिशत और नई विनिर्माण कंपनियों के लिए 25 से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया था,इस कदम से सरकारी खजाने को 1.5 लाख करोड़ रु. का नुकसान हुआ, जिससे राजकोषीय घाटा काफी बढ़ा। यह निर्णय 36 घंटों में क्रियान्वित भी कर दिया गया,जोकि मंत्रिमंडल में रखे बिना विशेषाधिकार प्रावधान के जरिये लागू किया गया। ऑक्सफैम की रिपोर्ट से खुलासा होता है कि कोविड–19 महामारी के दौरान, जहां गरीबी बढ़ी और बेरोजगारी 15 प्रतिशत जैसे उच्च स्तर पर पहुंच गई वहीं भारत में अरबपतियों की संख्या में 39 प्रतिशत वृद्धि हुई। 10 सबसे अमीर भारतीयों ने इस दौरान जितना मुनाफा बनाया, वह 25 वर्षों तक भारत के प्रत्येक बच्चे की शिक्षा के लिए पर्याप्त धन जितना है। यह शाश्वत विरोधाभास है। जब सरकार अरबपतियों को कर–लाभ देती, तो यह आर्थिक सुधार के नाम पर होता है। लेकिन जब राहत गरीबों को प्रदान करनी हो तो इसे राजकोषीय गैर–जिम्मेदारी करार दिया जाता है। मुफ्त चीजों से निर्भरता बढ़ने के बारे में शीर्ष अदालत की हालिया टिप्पणी इस बहस में एक और गंभीर आयाम जोड़ती है। विशेष रूप से ग्रामीण भारत को लेकर चिंता यह जताई जा रही है कि मुफ्त राशन और कल्याण योजनाएं श्रम करने को हतोत्साहित कर रही हैं। न्यायमूर्ति बीआर गवई ने टिप्पणी की कि महाराष्ट्र में किसानों को खेत मजदूर मिलने में मुश्किल आ रही है क्योंकि वे दिहाड़ी की बजाय मुफ्त राशन पर निर्भर रहने को तरजीह देने लगे हैं। जब से मनरेगा योजना विभिन्न रूपों में शुरू हुई है, इस तंगी का असर पंजाब में विशेष रूप से नजर आ रहा है। इससे इस तर्क को बल मिलता है कि कल्याणकारी उपायों की रूपरेखा ऐसी हो कि लोग सशक्त बनें न कि स्थायी निर्भरता पैदा करने वाली। निर्भरता बनने के पीछे असल दोषी किफायती स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्थाई रोजगार अवसरों की कमी है, न कि कल्याणकारी कार्यक्रम। अगर लोगों के पास सुरक्षित, अच्छे वेतन वाली नौकरियां हों, तो वे दान के रूप में मिलने वाले मुफ्त के अनाज पर निर्भर नहीं होंगे। कल्याण एक सहायक सीढ़ी बने न कि निठल्ला बनाने वाला प्रश्रय। यह विडंबना है कि दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने का दंभ भरने वाला देश 80 करोड़ से अधिक लोगों को बतौर दान मुफ्त राशन दे रहा है– जो इसकी आबादी का लगभग 60 प्रतिशत है। सवाल, क्या गरीब मुफ्त चीज़ों से आसानी से प्रभावित हो जाते हैं, खासकर जब सभी पार्टियां एक जैसे वादे करती हों? ऐतिहासिक रूप से, हमने मुफ्त चीज़ों/कल्याणकारी योजनाओं के कई फायदे देखे हैं। जब तत्कालीन सीएम एनटी रामाराव ने आंध्र प्रदेश में 'एक रुपये प्रति किलो चावल' योजना शुरू की, तो उनका मजाक उड़ाया गया था, लेकिन इसका नतीजा हुआ कि भुखमरी से मौतें अतीत की बात हो गईं। नीतीश कुमार द्वारा स्कूली छात्राओं को मुफ्त साइकिलें देने से बिहार में लड़कियों की स्कूलों में हाजिरी और पढ़ाई जारी रखने की दर में वृद्धि हुई। रोजगार गारंटी योजनाओं ने लाखों लोगों को आय सुरक्षा प्रदान की है, भले ही इसने शहरी अभिजात्य वर्ग के लिए घरेलू नौकरों की कमी पैदा कर दी हो। भारत में बहस इसको लेकर नहीं होनी चाहिए कि हमें कल्याण योजनाओं की आवश्यकता है या नहीं, बल्कि यह यकीनी बनाने के बारे में हो कि इनकी रूपरेखा सही ढंग की और टिकाऊ हो। मुफ्त स्वास्थ्य सेवा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और रोजगार के अवसर तोहफे या रियायतें नहीं। वे लोकतंत्र में नागरिक का हक हैं। रेवड़ियों की बजाय, हमें अधिकारों और स्वतंत्रताओं के बारे में बात करनी चाहिए।

(लेखक भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त रहे हैं।)

स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन के प्रभावी कदम जरूरी

संजीव माथुर

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ ने फिर हमारे तंत्र की लापरवाही को उजागर कर दिया है। स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 13 और 14 पर जब भगदड़ मची, वहां महाकुंभ के लिए प्रयागराज जाने वाले यात्रियों की भारी भीड़ थी। हादसे के बाद रेलवे ने जिस तरह चार विशेष ट्रेनें चलाकर भीड़ का दबाव कम किया, इसी तरह की व्यवस्था अगर पहले कर ली जाती तो भगदड़ टाली जा सकती थी। अफसोस की बात है कि महाकुंभ जैसे विराट आयोजन में भीड़ प्रबंधन में तंत्र की नाकामी कई मोर्चों पर सामने आ चुकी है। मौनी अमावस्या के अमृत स्नान से पहले मची भगदड़ के बाद भी भीड़ प्रबंधन की कोई कारगर व्यवस्था नहीं की गई। प्रयागराज और इसके आसपास के शहरों में ट्रैफिक जाम की खबरें पहले से संकेत दे रही थीं कि भीड़ को संभालना शासन–प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि हादसों से सबक लेने की परंपरा हमारे तंत्र में अब तक विकसित नहीं हुई है। स्टेशनों पर भगदड़ के कई हादसे पहले भी हो चुके हैं। महाकुंभ के दौरान वर्ष 2013 में प्रयागराज स्टेशन पर भगदड़ में 36 लोगों की जान गई थी। दिल्ली स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर वर्ष 2004 में भगदड़ में चार, जबकि मुंबई के एलफिंस्टन स्टेशन के फुटओवर ब्रिज पर वर्ष 2017 में भगदड़ से 22 लोगों की मौत हुई थी। हर हादसे के समय किए जाने वाले बड़े–बड़े दावों की पोल अगले हादसे से खुल जाती है। पिछले साल अक्टूबर में मुंबई के बांद्रा टर्मिनल स्टेशन पर भगदड़ के बाद रेलवे ने बड़े स्टेशनों पर भीड़ प्रबंधन सिस्टम लगाने की बात कही थी। दावा किया गया था कि सेंसर आधारित इस सिस्टम से पता चल जाएगा कि स्टेशन पर कब और कहां भीड़ को किस तरह नियंत्रित करना है। क्षमता से ज्यादा भीड़ होने पर अलर्ट जारी किया जा सकेगा। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ ने स्पष्ट कर दिया कि बड़े स्टेशन अब तक इस सिस्टम से लैस नहीं किए गए हैं। सरकारी तंत्र भीड़ प्रबंधन में अपनी नाकामी यह कहकर नहीं छिपा सकता कि महाकुंभ के अमृत स्नान के मौकों पर ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने का अनुमान था और उसे लग रहा था कि आखिरी चरण में भीड़ कम हो जाएगी। महाकुंभ 10 दिन और चलेगा। फिलहाल प्रयागराज से जुड़े देश की सभी प्रमुख मार्गों पर भीड़ का आने–जाने का सिलसिला जारी है। इसे देखते हुए भीड़ प्रबंधन के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। स्टेशनों में गैर–जरूरी लोगों के प्रवेश पर रोक के साथ यह भी सुनिश्चित किया जाए कि संबंधित ट्रेन के यात्री ही प्लेटफॉर्म पर पहुंचें।

विक्की कौशल की साली साहिबा स्टाइल में नहीं हैं किसी से कम, यहां तो बड़ी बहन कैटरीना को भी दे गईं टक्कर

कैटरीना कैफ की तरह ही उनकी बहन इसाबेल कैफ भी काफी स्टाइलिश हैं। कई बार तो इसाबेल अपनी बहन को ही फैशन के मामले में टक्कर दे जाती हैं। जैसा कि हाल ही में एक मूवी स्क्रीनिंग के दौरान भी हुआ। जहां ये हसीना अपने लुक के चलते छा गई।

कैटरीना कैफ किसी पहचान की मोहजात नहीं हैं। एक्ट्रेस ने अपने मेहनत के बल पर इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई , तो उनकी बहन इसाबेल कैफ को अभी तक कोई बड़ा ब्रेक नहीं मिला है। अब भले ही इसाबेल बड़े पर्दे पर कमाल नहीं दिखा पाई हैं, लेकिन स्टाइल के मामले में वह किसी से कम नहीं हैं। वह जहां भी जाती हैं अपने किलर अंदाज से सारी लाइमलाइट बटोर लेती हैं। जिसके सामने तो कई बार कैटरीना भी नहीं टिक पाती हैं।

ऐसा ही नजारा अब हाल ही में फिल्म 'मुंज्या' की स्क्रीनिंग के दौरान देखने को मिला। जहां विक्की की साली साहिबा का स्टाइल हर हसीना पर भारी पड़ गया। यही नहीं अपनी प्यारी-सी स्माइल से भी वह फैंस के दिलों को घायल कर गईं। मूवी स्क्रीनिंग के बॉलीवुड के तमाम सितारे पहुंचे थे, लेकिन इसाबेल सबका ध्यान अपनी ओर खींचने में सफल रहीं। हसीना ने इवेंट के लिए फ्लोरल प्रिंटेड ड्रेस को चुना, जो कंफर्टेबल होने के साथ ही समर वाइब्स दे रही थी। इसाबेल ने अपनी इस ड्रेस को इस तरीके से स्टाइल किया था कि ये काफी अट्रैक्टिव लग रही थी। वहीं, इस पूरे अटायर की यूएसपी हसीना की स्माइल थी। जिसे देख न जाने कितने लोगों को दिल पिघल गए। हसीना की ये मिडी ड्रेस रेड कलर की थी। जिस पर पिंक और येलो फ्लावर प्रिंट था। इसके साथ ही येलो पोल्का डॉट्स आउटफिट में और भी कलर्स ऐड कर रहे थे। डीप वी नेकलाइन वाली इस फुल स्लीव्स ड्रेस की वेस्ट पर प्लीट्स पैटर्न से डीटेलिंग की गई, तो रेड बटन से इसे फाइनल टच दिया गया। जो नेकलाइन से लेकर स्कर्ट पोर्शन तक लगे थे।

यूं बनाया अपने लुक को परफेक्ट इसाबेल ने अपनी इस ड्रेस के साथ वाइट शूज पहने थे, तो उनका मिनी पिंक बैग काफी कूल लग रहा था। जिसे वह शोल्डर पर कैरी करके आई थीं। वहीं, अगर जूलरी की बात करें तो हसीना ने गोल्डन हूप्स के साथ एक चेन स्टाइल की थी। ऐसे में उनके लुक में कुछ भी ओवर द टॉप नहीं लगा और वह एकदम परफेक्ट लगीं।

फ्लॉलेस लगा मेकअप इसाबेल ने अपनी ड्रेस को कॉम्प्लिमेंट करने के लिए मेकअप को सटल रखा, जो फ्लॉलेस लग रहा था। उन्होंने आईलाइनर, मस्कारा, न्यूड आईशैडो के साथ पिंक लिप्स और ब्लश लगाया, तो हाइलाइटर से अपने फीचर्स को हाइलाइट किया। जिससे उनका ये एलिगेंस से भरपूर लुक काफी प्यारा लगा।

एकता कपूर ने बनाए हैं 130 शोज, पर इन 6 ने बदल दिया TV का इतिहास! एक का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में है दर्ज

एकता कपूर का 49वें बर्थडे पर उनके बनाए 6 ऐसे सीरियल्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने टीआरपी के रिकॉर्ड तोड़ दिए थे और छोटे पर्दे पर क्रांति ला दी थी। एक सीरियल का नाम तो लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है। एकता कपूर ने बनाए हैं 130 शोज, पर इन 6 ने बदल दिया TV का इतिहास! एक का नाम लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में है दर्ज टीवी की क्वीन कही जाने वालीं एकता कपूर का 7 जून को 49वां बर्थडे है। सुपरस्टार जितेंद्र की बेटी एकता ने अपने दम पर खुद की पहचान बनाई और टीवी की दुनिया में भी क्रांति ला दी थी। उन्होंने पहला टीवी शो मात्र 19 साल की उम्र में बनाया था, जिसने तहलका मचा दिया था। यह सीरियल था 'हम पांच', जिसमें विद्या बालन भी नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने एक के बाद एक कई सारे टीवी सीरियल बनाए, जो सुपरहिट रहे। एकता ने अब तक130 से ज्यादा डेली सोप बनाए और प्रोड्यूस किए। पर यहां आपको एकता के बनाए उन छह टीवी सीरियलों के बारे में बता रहे हैं, जिन्होंने कई रिकॉर्ड बनाए और टीवी की दुनिया में बेंचमार्क स्थापित किया। एक सीरियल का नाम तो 'लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज है।

हम पांच- एकता कपूर का पहला टीवी शो सबसे पहले लिस्ट में आता है एकता कपूर का पहला टीवी सीरियल 'हम पांच', जिसके किरदार और कहानी से दर्शकों ने भी रिलेट किया। इसमें विद्या बालन, अशोक सराफ, राखी टंडन, भैरवी रायचूरा और वंदना पाठक जैसे कलाकार थे। जनता की डिमांड पर इस सिटकॉम का दूसरा सीजन भी लाया गया था। कहानी आनंद माथुर की है, जो अपनी पांच बेटियों के कारण हमेशा ही किसी न किसी मुश्किल में फंस जाता है। जहां पहला सीजन पांच साल चला था, वहीं दूसरा सीजन एक साल चला। **कुटुम्ब** एकता कपूर ने जब 'कुटुम्ब' और 'कुसुम' नाम के दो टीवी सीरियल लॉन्च किए, तब किसी ने सोचा भी नहीं था कि जितेंद्र की यह लाडली टीवी की दुनिया में क्रांति ले आएगी। ये दोनों ही टीवी सीरियल टीआरपी में अव्वल रहे थे। 'कुटुम्ब' की कहानी एक ऐसे कपल की थी, जो जॉइंट फैमिली में रहता है और उसकी परेशानियों व सुख-दुख के साथ सामजस्य बिठाते हुए अपनी जिंदगी चलाने की कोशिश करता है। इसमें हितेन तेजवानी और गौरी प्रधान लीड रोल में थे। यह शो 29 अक्टूबर 2001 में प्रसारित किया गया था और 2003 तक चला। यह उस वक्त के हाइएस्ट टीआरपी वाले शोज में से एक था। **कसौटी जिंदगी की** 29 अक्टूबर 2001 में ही एकता कपूर ने एक और टीवी शो लॉन्च किया था, जिसका नाम है 'कसौटी जिंदगी की'। इसे भारतीय टीवी के इतिहास का सबसे हिट सीरियल माना जाता है। इसमें श्वेता तिवारी और सिजैन खान लीड रोल में थे। 'कसौटी जिंदगी की' तब टोटल 153 अवॉर्ड्स और 172 नॉमिनेशन पाकर रिकॉर्ड बना दिया था। यह उस जमाने में स्टार प्लस का सबसे लंबा चलने वाला टीवी शो रहा। शो में अनुराग और प्रेरणा की प्रेम कहानी, उसके उतार-चढ़ाव और बच्चों और पोते-पोतियों की जिंदगी की कहानी दिखाई गई थी। फोटोः YouTube

क्यूंकि सास भी कभी बहू थी 'क्यूंकि सास भी कभी बहू थी' ने भी साल 2000 में टेलिकास्ट होने पर धमाल मचा दिया था। इस शो में जॉइंट फैमिली के खूबसूरत रिश्तों की कहानी दिखाई गई थी, जिसे दर्शकों का भी खूब प्यार मिला। यह उस वक्त के हाइएस्ट टीआरपी वाले शोज की फेहरिस्त में शामिल था। देश के कोने-कोने तक इस सीरियल के चर्चे होते। इसी से स्मृति ईरानी तुलसी के किरदार से घर-घर मशहूर हो गई थीं। यह भारतीय टेलीविजन के इतिहास का पहला ऐसा सीरियल था, जिसने एक हजार एपिसोड पार किए थे। इस वजह से 'क्यूंकि सास भी कभी बहू थी' का नाम लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी दर्ज है।

तापसी पन्नू ने माना मैथियास बो से पहले भी कई लड़कों को किया है डेट, ये हैं 'हसीन दिलरुबा' के अफेयर के किस्से

तापसी पन्नू और उनके पति मैथियास बो को एक साथ काफी लंबा वक्त बित चुका है। हाल ही में तापसी ने मैथियास के बारे में बात की है और खुलासा किया है कि उनके पहले वो कई लड़कों को डेट कर चुकी हैं। तापसी पन्नू और लॉन्गटाइम बॉयफ्रेंड और बैडमिंटन प्लेयर मैथियास बो ने मार्च में उदयपुर में शादी की। अब एक नए इंटरव्यू में, तापसी ने मैथियास के साथ अपने रिश्ते के बारे में खुलकर बात की है और खुलासा किया कि यह उनके लिए 'पहली नजर का प्यार' नहीं था। इसके बजाय, उन्होंने रिश्ते में आने में समय लिया क्योंकि वह देखना चाहती थीं कि यह उन दोनों के लिए कितना संभव है।

एथलीट के लिए सॉफ्ट कॉर्नर तापसी ने कहा कि उनके मन में एथलीटों के लिए एक सॉफ्ट कॉर्नर है। उन्होंने कहा, 'कम से कम मेरे लिए यह पहली नजर का प्यार नहीं था। मुझे यह देखने में समय लगा कि क्या यह सच में है... रिश्ता मेरे लिए जरूरी था।'

मिलते रहे और प्यार हो गया 'वो मुझे अच्छा लगता था और मैं उसका सम्मान करती थी। हम मिलते रहे और मैं उससे प्यार करने लगी। इसलिए प्यार में पड़ना एक महीने में या तुरंत नहीं हुआ। हालांकि यह एक फैक्ट है, जिसे मैं उनके बारे में दोहराती रहती हूं - जब मैं उनसे मिली तो मुझे ऐसा लगा जैसे मैं एक आदमी से मिली हूं।'

कई लड़कों को डेट किया उन्होंने यह भी कहा, 'मैंने उससे पहले कई लड़कों को डेट किया था और अचानक मैं एक ऐसे लड़के से मिली, जिसे ऐसा महसूस नहीं हुआ कि मैं पहले कभी किसी के साथ रही हूं। इसलिए अचानक सिक्योरिटी की भावना आई, जो इतनी क्लियर थी कि मुझे लगा जैसे 'ठीक है, आखिरकार तुम्हें वो आदमी मिल गया।'

तापसी पन्नू की शादी तापसी पन्नू और मैथियास बो की शादी का पहला वीडियो रेडिट पर सामने आया था। तापसी ने लाल सूट और भारी गहने पहने थे। मैथियास ने शेरवानी और पगड़ी पहन रखी थी। वरमाला के बाद दोनों ने डांस किया, गले मिले और किस किया।

उदयपुर में इंटिमेट वेडिंग न्यूज 18 के मुताबिक, तापसी ने 23 मार्च को उदयपुर में मैथियास से शादी की। यह एक इंटिमेट वेडिंग थी और शादी से पहले के फंक्शन 20 मार्च को शुरू हुए।

साकिब सलीम को डेट

2017 में, तापसी का नाम साकिब सलीम के साथ जुड़ा था। दोनों के रोमांस की चर्चा थी जहां एक टैब्लॉइड्स ने रिपोर्ट की थी कि तापसी पन्नू और साकिब सलीम डेटिंग कर रहे थे। लेकिन बाद में दोनों ने इसे बस अफवाह बताया।

महत राघवेंद्र को किया डेट तेलुगू एक्टर महत राघवेंद्र अपनी पहली तेलुगू फिल्म का प्रचार कर रहे थे, तब उन्होंने एक बातचीत में कहा था कि उन्होंने तापसी को दो साल पहले डेट किया था। एक्टर ने यह भी खुलासा किया था कि यह महसूस होने के बाद कि यह अब काम नहीं कर रहा है, उनका ब्रेकअप हो गया था।

तापसी पन्नू की फिल्में वर्कफ्रंट पर, तापसी को आखिरी बार राजकुमार हिरानी की फिल्म 'डंकी' में देखा गया था, जिसमें शाहरुख खान लीड रोल में थे। इश्क के पाइप वाले सीन को जुगाड़ से किया गया था शूट, आमिर और अजय ने इस कारण टी-शर्ट के ऊपर पहनी थी शर्ट 'इश्क' के पाइप वाले सीन को जुगाड़ से किया गया था शूट, आमिर और अजय ने इस कारण टी-शर्ट के ऊपर पहनी थी शर्ट

साल 1997 में आई फिल्म 'इश्क' को कल्ट हिंदी फिल्मों की लिस्ट में शुमार किया जाता है। इस फिल्म का पाइप काटने वाला सीन इतना फेमस हुआ था कि 26 साल बाद आज भी मीम बनते हैं। लेकिन पता है इसे कैसे शूट किया गया था? 'फिल्मी फ्राइडे' सीरीज में बता रहे हैं:

इश्क के इस पाइप वाले सीन को जुगाड़ से किया गया था शूट, आमिर और अजय ने ट्रिक टी-शर्ट के ऊपर पहनी थी शर्ट 'इश्क' के इस पाइप वाले सीन को जुगाड़ से किया गया था शूट, आमिर और अजय ने ट्रिक टी-शर्ट के ऊपर पहनी थी शर्ट 'फिल्मी फ्राइडे' सीरीज में फिल्म 'इश्क' के पाइप वाले सीन की शूटिंग का अनोखा किस्सा बता रहे हैं। अजय देवगन और आमिर खान स्टारर इस फिल्म को देश की कल्ट फिल्मों में शुमार किया जाता है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म साल 1997 में रिलीज हुई थी, और ब्लॉकबस्टर रही थी। फिल्म में आमिर और अजय देवगन की न सिर्फ केमिस्ट्री बल्कि कॉमिक टाइमिंग को भी खूब पसंद किया गया था। लेकिन इस फिल्म का एक सीन बहुत चर्चित रहा था, जिसमें आमिर और अजय पाइप पर लटक जाते हैं और फिर पाइप कटर उस पाइप को काट देता है। क्या आप जानते हैं कि इस सीन को कैसे शूट किया गया था? **एक्टर संजय गोराडिया बने थे पाइप कटर** एक्टर संजय गोराडिया ने 'इश्क' में उसी पाइप कटर का रोल प्ले किया था। चंद मिनटों के रोल में संजय लाइमलाइट ले गए थे। उन्होंने एक बार एक इंटरव्यू में बताया था कि 'इश्क' में पाइप वाला सीन कैसे शूट किया गया था।

2 बिल्डिंग के बीच पाइपलाइन, बिना VFX ऐसे किया गया जुगाड़ संजय गोराडिया ने साल 2022 में 'बॉलीवुड हंगामा' को दिए इंटरव्यू में बताया था। 'इश्क' की शूटिंग अंधेरी के तारापुर गार्डन में चल रही थी। वहां पर फिल्म की यूनिट ने दो बिल्डिंग के बीच एक पाइपलाइन लगाई थी। पाइप के ऊपर से ही उसकी सीध में एक तार लगाया गया था। दूर से देखने पर यह एक नॉर्मल केबल टीवी जैसी दिख रही थी। संजय गोराडिया के मुताबिक, उस तार को बॉडी डबल की सेफ्टी के लिए लगाया गया था।

जुगाड़ छुपाने के लिए टी-शर्ट के ऊपर पहनी थी शर्ट यह तार बॉडी डबल की कमर में बंधी बेल्ट से जुड़ी थी। संजय ने कहा था, 'आपने सीन में देखा होगा कि आमिर और अजय ने टी-शर्ट के ऊपर शर्ट पहन रखी है। यह कोई स्टाइल स्टेटमेंट नहीं था। यह जानबूझकर सेफ्टी वायर को छुपाने के लिए किया गया था। वह 14-15 माले की बिल्डिंग थी, जिस पर पाइप से लटकने वाला सीन किया गया था।

अजय देवगन के पापा ने तैयार किया था पाइप वाला सीन संजय गोराडिया ने बताया था कि उस सीन को अजय देवगन के पापा और स्टंट डायरेक्टर वीरू देवगन ने एक्जीक्यूट किया था। जिस बिल्डिंग की छत पर यह सीन शूट किया गया, वहां पर करीब 6 फीट ऊपर ऐसी ही एक और पाइपलाइन बिछी थी। वहीं पर अजय देवगन और आमिर खान ने वो सीन किया था। लेकिन देखने पर ऐसा लगता है जैसे वो दोनों बिल्डिंग के बीचोंबीच पाइप से लटके हैं, जबकि सच तो यह था कि वो छत के ऊपर ही पाइप पर लटके हुए थे।

क्या है 6 सेकंड Kiss का फॉर्मूला, जो हर पति को करना चाहिए फॉलो

क्या आपके रिशेनशिप में मन-मुटाव रहती है? क्या आप अपनी वाइफ को घर ले निकलने से पहले किस करते हैं? आप ये सोच रहे होंगे न कि भला रिश्ते में खराबी और किस का क्या लेना देना है! लेना-देना है इसलिए आज हम आपको एक आम सी लगने वाली किस का फायदे बताने वाले हैं।

हम सभी के लिए अपना पार्टनर बहुत ही ज्यादा इंपोर्टेंट होता है, लेकिन उन्हें सेफ और सिक्योर फील करवाने के लिए हम क्या करते हैं? कभी राह में उनका हाथ पकड़ लेते हैं तो कभी जाते समय उन्हें हग कर लेते हैं। लेकिन रिसर्च कहती है कि अगर आप आपने वाइफ को 6 सेकंड तक किस करते हैं तो ये आपके रिश्ते को और भी ज्यादा टिकाऊ बनाने का काम करता है।

लेकिन सिर्फ 6 सेकंड की किस ही क्यों? या फिर रोज हमारे हग करने में भला क्या प्रॉब्लम है! दरअसल महिलाएं अपने रिश्ते को लेकर बहुत ही ज्यादा सोचती हैं, जिससे अक्सर वो खुद को और रिलेशन को लेकर परेशान होने लगती है। लेकिन अगर आपकी एक किस पार्टनर को सिक्योर फील करा सकती है तो क्यों न आप रोज घर से निकलते समय उन्हें क6 सेकंड की किस करें।

1वाइफ को किस करना क्यों है जरूरी?

गॉटमैन इंस्टीट्यूट के फाउंडर डॉ. जॉन और जूली गॉटमैन की रिसर्च के मुताबिक जो पुरुष काम पर जाने से पहले अपनी पत्नी को किस करके बाय कहते हैं, वो ऐसा न करने वाले पुरुषों की तुलना में चार साल ज्यादा जीते हैं। लेकिन यहां बात गाल पर या नॉर्मल किस करने की हो रहा है, तो फिर 6 सेकंड की किस क्या है?

क्या है 6 सेकंड किस का फॉर्मूला?

ये किस लिप टू लिप होती है, जो 6 सेकंड तक चलती है। रिसर्च के अनुसार इस 6 सेकंड किस में आम किस से कई गुना ज्यादा पोटेंशियल होता है। आपके मन में भी आ रहा होगा न कि किस इसकी टाइमिंग इतनी फिक्स क्यों हैं, समय तो कम भी हो सकता है। आइए बताते हैं।

पांच या चार सेकंड क्यों नहीं?

ऐसा इसलिए कहा गया है क्योंकि जब आप 6 सेकंड कर किस करते हैं तो ऑक्सीटोसिन निकलता है, जो आपकी वाइफ के मन में मानसिक सुरक्षा और जुड़ाव पैदा करता है। साथ ही आपकी वोन्डिंद को भी बेहतर करता है।

किस ही नहीं हग का भी टाइम सेट है

जिस तरह किस के लिए 6 सेकंड परफेक्ट माने जाते हैं उसी तरह सिर्फ 20 सेकंड के हग से भी पार्टनर के बीच ऑक्सीटोसिन का सीक्रेशन होता है, जो उतना ही फायदेमंद होता है जिनती 6 सेकंड की किस। इसलिए जब भी आप घर से बाहर निकलें तो अपनी वाइफ को 6 सेकंड की किस और 20 सेकंड का हग जरूर करें।

ऑक्सीटोसिन क्या होता है?

ऑक्सीटोसिन जिसे कभी-कभी 'लव हार्मोन' या 'कडल केमिकल' भी कहा जाता है, ये एक तरह का हार्मोन होता है जो प्यार करने या किसी के लिए फीलिंग बढ़ने पर महिलाओं में पाया जाता है। जब आप किसी को गले लगाते हैं और जब आप ऑर्गेज्म का अनुभव कर रहे होते हैं तो ऑक्सीटोसिन का स्तर भी बढ़ जाता है।

प्रेग्नेंसी में ब्लीडिंग बढ़ा सकती है गर्भपात का खतरा, पता चलते ही बिना देरी किए करें ये काम

गर्भावस्था की शुरुआत में ब्लीडिंग होना आम है। लेकिन इसे नजरअंदाज करने की गलती न करें। कई बार यह स्थिति आपको और गर्भ में पल रहे शिशु के लिए खतरा बन सकती है। यहां बताया गया है कि प्रेग्नेंसी के दौरान ब्लीडिंग में क्या करना चाहिए। गर्भावस्था का समय आसान नहीं होता। इस दौरान गर्भवती को छोटी-छोटी बातों का ध्यान रखना पड़ता है। इनमें से एक है ब्लीडिंग या स्पॉटिंग आना। प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीने में कुछ महिलाओं को हल्की फुल्की ब्लीडिंग होती है। एक्सपर्ट के मुताबिक प्रेग्नेंसी की शुरुआत में ब्लीडिंग होना आम बात है। लेकिन इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। दरअसल प्रेग्नेंसी में ब्लीडिंग होना गर्भपात, या दूसरी किसी समस्या की ओर इशारा करता है। कोकीलाबाई धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल की गाइनेकोलॉजी की कसंल्टेंट डॉ. नेहा पवार के अनुसार, गर्भावस्था में ब्लीडिंग को इंप्लांटेशन ब्लीडिंग कहते हैं। यह कुछ ही महिलाओं में देखने को मिलती है। अगर आपको भी प्रेग्नेंसी के शुरुआती महीनों में ब्लीडिंग हो रही है, तो जानिए आपको क्या करना चाहिए?

गर्भावस्था में ब्लीडिंग एक खतरनाक संकेत है। अगर आपको ब्लीडिंग या स्पॉट दिखाई दे , तो इसे इग्नोर नहीं करना चाहिए। बिना देर किए अपने डॉक्टर से संपर्क करें। क्योंकि जांच होने तक यह बताना मुश्किल होता है कि यह इंप्लांटेशन ब्लीडिंग है या फिर गर्भपात का संकेत है।

सोनोग्राफी कराएं ब्लीडिंग की वजह जानने के लिए डॉक्टर अल्ट्रासाउंड कराने के लिए कह सकता है। इसकी मदद से बेबी की कंडीशन, उसकी हार्ट बीट और उसके आसपास कोई ब्लीडिंग तो नहीं हो रही, यह सब चेक किया जाता है। अगर सब नॉर्मल है , तो चिंता की कोई बात नहीं है। इससे आगे प्रेग्नेंसी में किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। फॉलोअप करना जरूरी

डॉक्टर के अनुसार, अगर रिपोर्ट में इंटरनल कोई प्रॉब्लम दिख रही है, तो इसका फॉलोअप करना जरूरी होता है। आमतौर पर 2 हफ्तों में फिर से सोनोग्राफी करानी पड़ती है।

चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम का ऐलान कब और कौन होगा कप्तान? ICC की डेडलाइन में बचे हैं बस इतने दिन

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए इस सप्ताह के आखिरी में टीम इंडिया का ऐलान होना है। BGT में हार के बाद रोहित शर्मा और विराट कोहली की जगह को लेकर उठ रहे सवाल। हर कोई जानना चाहता है कि अगर रोहित शर्मा नहीं तो कप्तान कौन होगा?

नई दिल्ली: बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 खत्म होने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का नया मिशन इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 और 3 मैचों की वनडे सीरीज है। टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने 1-3 से हराते हुए 10 साल बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की तो इसके साथ ही कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे बड़े खिलाड़ियों के इंटरनेशनल टीम में रहने पर सवाल उठने लगे। इस बीच इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम इंडिया का ऐलान होना है। **अगर रोहित शर्मा नहीं तो कौन कप्तान**? कहा तो यहां तक जा रहा है कि रोहित शर्मा की टेस्ट ही नहीं, वनडे कप्तानी भी खतरे में है। अगर ऐसा हुआ तो संभव है कि रोहित शर्मा टीम में भी न दिखाई दें, हालांकि यह सबसे मुश्किल फैसला है और संभव है कि ऐसा न हो। इस बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि अगर रोहित शर्मा उपलब्ध नहीं होते हैं या उन्हें हटाया जाता है तो हार्दिक पंड्या को वनडे टीम की कप्तानी मिल सकती है। हालांकि, देखा जाए तो जसप्रीत बुमराह, शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर भी कप्तानी के लिए दावेदारों में शामिल हैं। खैर, इंग्लैंड ने न केवल भारत के खिलाफ सीरीज के लिए टीम का ऐलान कर दिया है, बल्कि उसने अपनी चैंपियंस ट्रॉफी की टीम भी घोषित कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, टूर्नामेंट में हिस्सा लेने वाली सभी 8 टीमों को 12 जनवरी तक टीम घोषित कर देनी है। चर्चा यह भी है कि भारत 11 जनवरी को ही इस प्रमुख टूर्नामेंट के लिए अपनी अंतिम टीम की घोषणा कर सकता है। संभव है कि चीफ सिलेक्टर, कप्तान और कोच के बीच इस बारे में बात भी हुई हो, क्योंकि वे सभी ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज के दौरान एक साथ ही थे।

5 बल्लेबाज जो 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर भी नहीं लगा पाए दोहरा शतक, एक भारतीय धुरंधर भी लिस्ट में

अगर कोई खिलाड़ी 100 से ज्यादा टेस्ट खेलकर 15 से अधिक शतक लगाता है तो उम्मीद की जाती है कि दोहरा शतक भी लगाया ही होगा। हालांकि हर बल्लेबाज के साथ ऐसा नहीं होता है।

किसी खिलाड़ी के लिए टेस्ट टीम में जगह बनाना ही आसान नहीं होता। टीम में आने के बाद टिके रहने की भी चुनौती होती है। इन सब के बाद चंद ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो 100 टेस्ट मैच खेल पाते हैं। कोई बल्लेबाज इतने मैच खेलता है तो रनों का अंबार भी लगा देता है। हालांकि कुछ का किस्मत साथ नहीं देती और 100 से ज्यादा मैच खेलने के बाद भी वह दोहरा शतक नहीं लगा पा। हम आपको आज ऐसे ही 5 बल्लेबाजों के बारे में बताएंगे, जो 100 से ज्यादा टेस्ट खेलने के बाद भी दोहरा शतक नहीं लगा पाए।

एलेक स्टीवर्ट- इंग्लैंड *इंग्लैंड एलेक स्टीवर्ट दोहरा शतक के बिना टेस्ट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। 133 टेस्ट में उनके नाम करीब 40 की औसत से 8463 रन हैं। उनके बल्ले से 15 शतक निकले हैं। 2003 में आखिरी टेस्ट खेलने वाले स्टीवर्ट की सबसे बड़ी पारी 190 रनों की रही।*

मार्क वॉ- ऑस्ट्रेलिया *मार्क वॉ को ऑस्ट्रेलिया के सबसे बेहतरीन बल्लेबाजों में गिना जाता है। वनडे और टेस्ट दोनों में उनका रिकॉर्ड शानदार है। 128 टेस्ट में उन्होंने 42 की औसत से 8029 रन बनाए। इसमें 20 शतक हैं लेकिन सबसे बड़ी पारी 153 रनों की ही रही।*

डेसमंड हेन्स- वेस्टइंडीज *80 के दशक में वेस्टइंडीज के डेसमंड हेन्स की तूती बोलती थी। वह संन्यास के समय वनडे में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाज थे। टेस्ट में भी 116 मैच में 42 की औसत से 7487 रन बनाए। 18 शतक भी ठोके लेकिन सबसे बड़ी पारी 184 रनों की रही।*

भारतीय क्रिकेट की रीढ़ में 'कैंसर' है! उसे लगाने वाले ही कर रहे इलाज की मांग

भारतीय क्रिकेट में डोमेस्टिक क्रिकेट से आईपीएल के प्रति बदलते रुझान पर चर्चा है। विराट कोहली और रोहित शर्मा के रणजी ट्रॉफी नहीं खेलने पर सवाल उठता है। सुनील गावस्कर ने डोमेस्टिक क्रिकेट पर जोर देने की बात कही है। आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन टीम इंडिया में डेब्यू करा सकता है, जबकि घरेलू क्रिकेट महत्वहीन हो गया है।

नई दिल्ली: एक वक्त था जब भारत खेलने के लिए खिलाड़ियों को डोमेस्टिक क्रिकेट की अग्नि परीक्षा से गुजरना पड़ता था। उसमें जलकर-झुलसकर कुंदन बनते थे। उनका क्रिकेट कौशल मजबूत होता था। मैच्योरिटी का लेवल अलग होता था। अमोल मजूमदार इसका सबसे बेहतरीन उदाहरण हैं। उनके नाम 171 फर्स्ट क्लास मैचों में 30 शतक और 60 अर्धशतक हैं और उन्होंने 11167 रन बनाए, लेकिन भारत खेलने का मौका नहीं मिला। आप कह सकते हैं कि यह उनका दुर्भाग्य है, लेकिन एक मामले में यह भारतीय क्रिकेटीयर ढांचे और उसमें जबरदस्त कॉम्पिटिशन को भी दर्शाता है। यही वजह है कि अपने बेसिक्स को बनाए रखने के लिए महान सचिन तेंदुलकर रिटायरमेंट तक डोमेस्टिक खेलते रहे।

खैर, समय बदला और जमाना आया आईपीएल का। सालभर में दो महीने में भरपूर कमाई और उसके दम पर भारत खेलने का मौका मिलने लगा। इस टूर्नामेंट से इंटरनेशनल खिलाने की वकालत करने वालों में महान सुनील गावस्कर, कपिल देव जैसे खिलाड़ी सबसे आगे रहे। जब टीम इंडिया में मौका मिलने का आधार आईपीएल बना तो खिलाड़ी डोमेस्टिक क्रिकेट से दूर हो गए। भारतीय क्रिकेट में पिछले कुछ सालों में एक नई चलन देखने को मिली है। इंटरनेशनल क्रिकेट में जगह पक्की करने के बाद हर खिलाड़ी का एक पैटर्न है। यही वजह है कि वह घरेलू क्रिकेट को नजरअंदाज करना शुरू कर देता है। शुभमन गिल जैसे युवा बल्लेबाज ने 2022 के बाद कोई रणजी ट्रॉफी मैच नहीं खेला है।

हर सीरीज हार के बाद उठता है मामला तेज गेंदबाजों का तो चोटिल होने का खतरा रहता हैं लेकिन बल्लेबाज क्यों घरेलू मैच खेलने का मौका छोड़ते हैं। भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हार चुकी है। 5 मैचों की सीरीज में टीम इंडिया सिर्फ एक मैच जीत पाए। एक मैच में बारिश ने बचा लिया तो 3 में हार झेलनी पड़ी। उससे पहले न्यूजीलैंड सीरीज में भी टीम को हार मिली थी। हर हार के बाद टेस्ट प्लेयर्स के घरेलू क्रिकेट में खेलने को लेकर सवाल उठता है।

साउथ अफ्रीका-पाकिस्तान के बीच दूसरे टेस्ट में भारी बवाल, वियान मुल्डर पर बौखला गए बाबर आजम

केपटाउनः पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम के लिए नए साल की शानदार शुरुआत हुई। खराब फॉर्म से जूझ रहे बाबर आजम ने दमदार वापसी करके दिखाया है। साउथ अफ्रीका दौरे पर बाबर आजम के बल्ले से लंबे समय बाद रन निकले हैं। हालांकि, इसके बावजूद पाकिस्तान की टीम दूसरे टेस्ट मैच में मुश्किल में दिख रही है। बाबर आजम ने दूसरी पारी में टीम के लिए शानदार 81 रनों की पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 127 गेंद का सामना कर 10 चौके भी लगाए। हालांकि, इस दौरान साउथ अफ्रीकी गेंदबाज वियान मुल्डर के साथ उनकी लड़ाई भी हो गई। वियान मुल्डर के साथ हुई इस झड़प के कारण बाबर आजम का ध्यान भंग हुआ और वह अपने शतक से चूक गए। वियान मुल्डर के साथ जब बाबर आजम की लड़ाई हुई तो वह 58 रन बनाकर खेल रहे थे। शान मसूद के साथ पाकिस्तान के लिए शानदार शुरुआत करने वाले बाबर आजम की बैटिंग से वियान मुल्डर झल्ला गए थे। इसी दौरान मुल्डर अपनी गेंदबाजी के फॉलो थ्रू में गेंद को उठाकर बाबर को मार दिया। **अंपायर ने सुलझाया बाबर और मुल्डर का मामला** बाबर को जब मुल्डर ने गेंद मारी तो वह बौखला गए। बाबर चोट से कराह गए थे। इस दौरान दोनों के बीच कुछ कहा सुनी भी हुई और बाबर मुल्डर से बात करने के लिए आगे भी बढ़े, लेकिन तभी एडेन मार्करम और अंपायर ने बीच-बचाव करते हुए इस मामले को शांत को किया। हालांकि, इस घटना के बाद बाबर पाकिस्तान के लिए जरूर कुछ रन बनाए, लेकिन ध्यान भंग होने के कारण वह अपना शतक पूरा नहीं कर पाए।

ये फैन नहीं, जाहिल हैं...! युजवेंद्र चहल की वाइफ धनश्री वर्मा को बुरा-भला बोल रहे लोग

भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया जा रहा है कि युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है और जल्द ही उनका तलाक हो सकता है।

टीम इंडिया से बाहर चल रहे युजवेंद्र चहल और उनकी वाइफ धनश्री वर्मा के तलाक की अफवाह सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल चुकी है। कहीं ना कहीं इस अफवाह में सच्चाई भी है क्योंकि इस कपल ने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है। इसके अलावा युजवेंद्र और धनश्री ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल से एक दूसरे की तस्वीरों को भी हटा लिया है। ऐसे में अब कुछ फैंस युजवेंद्र और धनश्री को लेकर कमेंट बॉक्स में काफी कुछ बुरा भला कह रहे हैं जो कहीं से भी सही नहीं माना जा सकता है।

सोशल मीडिया पर धनश्री को बोला जा रहा है बुरा-भाला भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल को लेकर जब से ये खबर आई है कि उनकी वाइफ धनश्री वर्मा के साथ उनका तलाक होने वाला है, फैंस ने उन्हें निशाने पर ले लिया। धनश्री वर्मा के सोशल मीडिया पर हैंडल पर यूजर्स उन्हें खूब बुरा भला कह रहे हैं।

धनश्री वर्मा से की जा रही है बदतमीजी धनश्री वर्मा ने हाल ही में युजवेंद्र चहल को इंस्टाग्राम पर अनफॉलो कर दिया। इसके अलावा धनश्री ने युजी की तस्वीरें भी हटा ली। जैसे ही सोशल मीडिया पर युजवेंद्र और धनश्री की तलाक को लेकर खबर सामने फैंस उनके साथ बदतमीजी पर उतर आए हैं।

धनश्री और युजवेंद्र की तलाक की खबर ने पकड़ लिया जोर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे को अनफॉलो करने के साथ ही युजवेंद्र चहल और धनश्री वर्मा के तलाक की खबरें जोर पकड़ ली है। कुछ फैंस धनश्री वर्मा की तस्वीरों पर कमेंट कर उनसे पूछ रहे हैं कि वह युजवेंद्र से कब तलाक ले रही हैं। फैंस की इस हरकत को कहीं से भी सही हीं कहा जा सकता है।

धनश्री के लिए फैलाया जा रहा है सोशल मीडिया पर नफरत युजवेंद्र चहल से तलाक की खबरों के बीच कुछ फैंस धनश्री वर्मा के लिए नफरत फैला रहे हैं। धनश्री और युजवेंद्र चहल अगर एक-दूसरे अलग होते हैं तो यह उनका निजी फैसला होगा। ऐसे में धनश्री के खिलाफ सोशल मीडिया पर जिस तरह से मोर्चा खोला जा रहा है वह बिल्कुल गलत है। **धनश्री के प्रोफेशन पर उठाए जा रहे हैं सवाल** सोशल मीडिया पर कुछ फैंस इतने गिर चुके हैं कि धनश्री के प्रोफेशन पर सवाल उठा रहे हैं और उनके लिए भद्दे कमेंट कर रहे हैं। बता दें कि धनश्री वर्मा एक ट्रेंड कोरियोग्राफर और कंटेंट क्रिएटर हैं। वह कई सॉन्ग और टीवी शो में भी नजर आ चुकी हैं। ऐसे में उनके काम पर सवाल उठाना बिल्कुल भी सही नहीं है।

रोहित शर्मा की वाइफ को मैसेज करते हुए रविचंद्रन अश्विन से हुआ ब्लंडर, फौरन करना पड़ा डिलीट

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। हाल ही में अश्विन टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह को मैसेज करते हुए एक ब्लंडर कर बैठे, जिसके कारण उन्हें तुरंत मैसेज को डिलीट करना पड़ा गया।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिन गेंदबाज रविचंद्रन अश्विन सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहते हैं। अश्विन अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर मुखरता के साथ अपने विचार को रखते हैं। अश्विन ने हाल ही में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट से रिटायरमेंट की घोषणा कर सबको चौंका दिया। ऐसे में एक बार फिर अश्विन चर्चा में आ गए हैं। इस बार चर्चा का विषय बना है रविचंद्रन अश्विन का एक ट्वीट जो उन्होंने रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह के लिए किया था, लेकिन उन्हें तुरंत डिलीट करना पड़ गया। दरअसल सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स यूजर @Nishitha018 टीम इंडिया के कप्तान रोहित शर्मा की वाइफ रितिका सजदेह के नाम सेअकाउंट था। उसमें रितिका के नाम अलावा प्रोफाइल में उनकी फोटो भी थी। यह रितिका का फेक एक्स अकाउंट था, लेकिन अश्विन से जल्दबाजी में भूल हो गई।

फेक अकाउंट पर अश्विन ने किया रिप्लाई रितिका सजदेह के इस फेक अकाउंट भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बारे में एक पोस्ट किया गया। इस पोस्ट में लिखा था कि, 'ऑस्ट्रेलिया को लगा था कि वे हमारा क्लीन स्वीप करेंगे।' इसी पोस्ट पर अश्विन ने रिप्लाई करते हुए लिखा, रितिका आप कैसी हो और लिटिल वन कैसा है।' अश्विन का यह पोस्ट तुरंत वायर होने लगा।

इसके बाद जैसे ही अश्विन को पता चला की उन्होंने रितिका के फेक अकाउंट पर रिप्लाई कर दिया उन्होंने तुरंत अपने पोस्ट डिलीट किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी। अश्विन के इस पोस्ट का स्क्रीन शॉट फौरन वायरल हो गया। ऐसा पहली बार नहीं है जब अश्विन ने गलती से किसी के फेक अकाउंट पर रिप्लाई किया है। पहले भी उनसे ऐसी भूल हो चुकी है। **आईपीएल में धूम मचाएंगे अश्विन** बता दें कि अश्विन ने भले ही ऑस्ट्रेलिया के बीच में संन्यास का फैसला कर पूरी दुनिया को चौका दिया था, लेकिन वह इसी साल इंडियन प्रीमियर लीग में एक्शन में नजर आने वाले है। आईपीएल 2025 में अश्विन चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलेंगे। पिछले सीजन में वह राजस्थान रॉयल्स की टीम का हिस्सा थे, लेकिन फ्रेंचाइजी ने उन्हें रिटेन नहीं किया।

आखिर रोहित शर्मा को क्यों देना पड़ा इंटरव्यू, संजय मांजरेकर ने खोल दी गौतम गंभीर की पोल, समझिए कैसे

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरा बहुत ही खराब रहा। रोहित तीन टेस्ट मैच में मैदान पर उतरे जिसमें वह सिर्फ 31 रन बना पाए। इसके कारण उन्हें सिडनी टेस्ट मैच से भी ड्रॉप कर दिया गया है। ऐसे में अब रोहित को लेकर संजय मांजरेकर ने हैरान करने वाली बात कही है।

नई दिल्लीः भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के लिए बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 बहुत ही खराब रहा। रोहित शर्मा इस सीरीज में कुल तीन टेस्ट मैच में मैदान पर उतरे, जिसमें वह सिर्फ 31 रन बना सके। खराब फॉर्म के कारण रोहित शर्मा सिडनी टेस्ट मैच में नहीं खेले। आखिरी टेस्ट मैच से बाहर किए जाने के बाद कप्तान रोहित शर्मा का टेस्ट क्रिकेटर के रूप में भविष्य भी अधर में लटक गया। कई रिपोर्टों में यह दावा किया गया था कि रोहित शर्मा भविष्य के लिए अब चयनकर्ता की प्लानिंग में नहीं है। हालांकि, रोहित शर्मा ने सिडनी टेस्ट मैच के दूसरे दिन ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स को एक ऐसा इंटरव्यू दिया, जिसके बाद सनसनी मच गई। इस इंटरव्यू ने रोहित ने साफ तौर से कह दिया कि वह फिलहाल टेस्ट क्रिकेट से संन्यास नहीं ले रहे हैं और उन्होंने खराब फॉर्म के कारण खुद ही ये फैसला लिया था कि सिडनी टेस्ट मैच में वह नहीं खेलेंगे। ऐसे में अब भारत पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हैरान करने वाली बात कही है।

संजय मांजरेकर ने बताया रोहित के इंटरव्यू का कारण रोहित शर्मा ने अपने इंटरव्यू में कहा था कि उन्होंने टीम हित के लिए खुद को सिडनी टेस्ट से बाहर किया है। रोहित के इस बयान पर अब संजय मांजरेकर का मानना है कि सिडनी टेस्ट से रोहित के बाहर होने का पूरा क्रेडिट मुख्य कोच गौतम गंभीर को जा रहा था। इसलिए रोहित शर्मा को मैच के बीच में इंटरव्यू देना पड़ा। संजय मांजरेकर ने कहा,'रोहित को इंटरव्यू देने की जरूरत क्यों पड़ी, इसलिए की वह स्थिति साफ करें कि आखिर क्या चल रहा है। मुझे ये भी लगता है कि कहीं न कहीं गंभीर रोहित शर्मा को बाहर करके एक ब्रेव कॉल का पूरा श्रेय ले रहे थे।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अन्नपूर्णा गुप्ता द्वारा भास्कर प्रिंटिंग प्रेस प्लॉट नं 0538 एवं 1272 लालकूटवा रातू रोड पुलिस स्टेशन रांची से प्रकाशित, प्रधान संपादक अन्नपूर्णा गुप्ता कार्यालय फोन नं .0651-2253830 ,9471717919, 9123244805 RNI NO JHAHIN / 2013/66670